मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 334
बुधवार, 24 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

न्याय प्रदान करने की व्यवस्था मूल रूप से मानवीय कोशिश रहनी चाहिए : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, 23 जून। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने मंगलवार को कहा कि न्याय प्रदान करने की व्यवस्था मूल रूप से मानवीय कोशिश ही रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) न्यायाधीशों की मदद कर सकता है, लेकिन यह न तो फैसले तय कर सकता है और न ही न्यायिक विवेक का इस्तेमाल कर सकता है। मॉस्को में रूस के उच्चतम न्यायालय के प्रमुख इगोर क्रासनोव के साथ बैठक के दौरान अपने संबोधन में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अगर प्रौद्योगिकी अदालतों की क्षमताएं बढ़ाती है, तो लोगों में किया गया निवेश ही यह तय करता है कि उन क्षमताओं का कितना प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाता है।

उन्होंने कहा कि संस्थाएं विकसित हो सकती हैं, प्रौद्योगिकी बदल सकती है और नयी चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन अदालतों का मूल उद्देश्य न्याय को इस तरह से बनाए रखना है कि जनता का भरोसा कायम रहे। सीजेआई ने कहा, "फिर भी, भले ही हम नवोन्मेष को अपनाएं, लेकिन हम इसकी सीमाओं के प्रति पूरी तरह जागरूक हैं। न्याय प्रदान करने की व्यवस्था मूल रूप से मानवीय कोशिश है और इसे ऐसा ही बने रहना चाहिए।" उन्होंने कहा कि एआई जानकारी को व्यवस्थित करने, अनुवाद में मदद करने, प्रतिलिपि तैयार करने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आसान बनाने में न्यायाधीशों की मदद कर सकता है, लेकिन "यह नतीजों का फैसला नहीं कर सकता, गवाहों की विश्वसनीयता नहीं परख सकता, सबूतों का मूल्यांकन नहीं कर सकता या न्यायिक विवेक का इस्तेमाल नहीं कर सकता"।

सीजेआई ने कहा कि यह न्यायपालिका में एआई के इस्तेमाल के लिए हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा अधिसूचित नियमों के मसौदे में दिखता है। इन नियमों का मकसद न्यायिक स्वतंत्रता और मानवीय निगरानी को बनाए रखते हुए एआई का जिम्मेदारी से इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस, दोनों के उच्चतम न्यायालय बहुत बड़े और विविधता वाले समाजों के लिए काम करते हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि भले ही दोनों देशों की कानूनी परंपराएं अलग-अलग ऐतिहासिक रास्तों पर

विकसित हुई हैं, फिर भी "हमारे सामने एक जैसी चुनौती है: तेजी से बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाते हुए न्याय व्यवस्था में जनता का भरोसा कैसे बनाए रखा जाए"।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि न्यायिक कामकाज में प्रौद्योगिकी को शामिल करने के मामले में भारत का नजरिया इस सिद्धांत पर आधारित है कि प्रौद्योगिकी न्याय प्रदान करने की प्रणाली का एक जरूरी और अभिन्न अंग है, हालांकि, इसका इस्तेमाल न्यायिक मूल्यों की जगह लेने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "शुरूआत से ही, डिजिटल बदलाव की हमारी कोशिशों के पीछे एक मजबूत न्यायिक व्यवस्था बनाने की इच्छा रही है, ताकि उन व्यावहारिक बाधाओं को दूर कर सके जो नागरिकों को अदालतों तक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पहुंचने से रोकती हैं।" न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि प्रौद्योगिकी एक ऐसा जरिया है, जिसके माध्यम से अदालतें लोगों के लिए अधिक सुलभ, पारदर्शी और उत्तरदायी बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि न्याय का भविष्य तकनीकी नवोन्मेषण और स्थायी मानवीय मूल्यों को एक साथ लाने की क्षमता पर निर्भर करेगा।

अमोनिया गैस लीक से 9 महिला मजदूरों की मौत

तिरुवल्लुर, 23 जून। सरकार ने बताया कि तमिलनाडु के तिरुवल्लुर ज़िले में एक प्राइवेट सीफूड प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट फैसिलिटी में अमोनिया गैस लीक होने से मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर नौ हो गई। जहरीली गैस का यह रिसाव 21 जून को रूटीन इंडस्ट्रियल कामकाज के दौरान हुआ था और मरने वाले सभी लोग महिलाएं थीं। हेल्थ डिपार्टमेंट ने बताया कि 69 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया था और उनकी हालत पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। डिपार्टमेंट ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावित इलाके की निगरानी और जांच भी की जा रही है, जबकि ज़िला प्रशासन और हेल्थकेयर संस्थान इलाज, निगरानी और रिस्पॉन्स से जुड़े कामों में तालमेल बिठा रहे हैं। विभाग के अनुसार, मरने वाली महिलाओं में से सात ओडिशा की और दो असम की थीं। मरने वालों में से आठ की पहचान शिबानी, जुमानी जुआंग,

गीता जुआंगा, पूर्णिमा जुआंगा, चंपावती जुआंगा, पार्वती जुआंगा, सीता हांसदा और अंजीता सोरेन के तौर पर हुई, जबकि एक व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई थी।

यह रिसाव पेरियापालयम के पास कनिगईपायर/मंजुंगारनाई इलाके में मौजूद एक फैसिलिटी में हुआ। प्रभावित लोगों को अमोनिया गैस अंदर जाने के गंभीर लक्षणों के साथ अस्पतालों में भर्ती कराया गया; इन लक्षणों में बहुत ज्यादा सांस लेने में तकलीफ, खांसी, सीने में बेचैनी और आंखों व सांस की नली में जलन शामिल थी। भर्ती किए गए लोगों में से 27 का इलाज वेल्स हॉस्पिटल में, 18 का वेंकटेश्वर हॉस्पिटल में, 11 का राजीव गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल में और 13 का स्टेनली मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में चल रहा था।

दो अन्य लोगों को पहले ही छुट्टी दी जा चुकी थी। हादसे की असल वजह की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेगा और सभी प्रभावित लोगों के लिए सही मेडिकल देखभाल सुनिश्चित करेगा, क्योंकि मरने वालों की संख्या नौ हो गई है और अस्पताल में भर्ती लोगों की निगरानी की जा रही है।

ममता बनर्जी ने फिरहाद हकीम समेत 8 नेताओं को पार्टी से निकाला

कोलकता, 23 जून। पश्चिम बंगाल की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में अंदरूनी कलह के बीच, पार्टी ने मंगलवार को फिरहाद हकीम और अरूप बिस्वास समेत 8 सीनियर नेताओं को पार्टी-विरोधी गतिविधियों के आरोप में बाहर निकाल दिया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यह अनुशासनात्मक कार्रवाई नेतृत्व के बढ़ते संकट और गुटबाजी के कारण की गई है, क्योंकि कई नेता कथित तौर पर ऐसे काम कर रहे थे जो पार्टी के आधिकारिक रुख के खिलाफ थे।

हकीम और बिस्वास, दोनों ही पश्चिम बंगाल सरकार और टीएमसी के ढांचे में अहम प्रशासनिक और संगठनात्मक भूमिकाएं निभा चुके हैं। पार्टी में चल रहे इस बड़े बदलाव के दौरान बाहर निकाले गए नेताओं में ये दोनों सबसे प्रमुख नाम हैं। यह घटनाक्रम पार्टी के भीतर हफ़्तों से चल रही राजनीतिक अस्थिरता के बाद हुआ है। इस दौरान असहमति के आरोप, नेतृत्व को लेकर विवाद और संगठनात्मक फैसलों पर नियंत्रण के लिए अलग-अलग गुटों के दावों जैसी स्थितियाँ देखने को मिलीं।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस फैसले का मकसद पार्टी में आंतरिक अनुशासन बहाल करना और नेतृत्व की पकड़ मजबूत करना है। इसे हाल के वर्षों में पार्टी नेतृत्व के सामने आई सबसे गंभीर आंतरिक चुनौतियों में से एक माना जा रहा है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस पर नियंत्रण की कोशिश में विपक्ष के नेता रीताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने सोमवार को विधायक अरूप रॉय को अध्यक्ष चुना। यह पार्टी संस्थापक ममता बनर्जी के प्राधिकार को अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। इस कदम से संकेत मिलता है कि विधानसभा से शुरू हुई और बाद में संसद तक फैली बगावत अब पार्टी के संगठनात्मक गढ़ तक पहुंच गई है।

यहां बागी विधायकों, पार्षदों और अन्य नेताओं की मौजूदगी में एक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि रॉय को सर्वसम्मति से पार्टी का अध्यक्ष चुना गया। पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास और विधायक फिरहाद हकीम, रथिन घोष और सबीना यास्मीन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि रीताब्रता बनर्जी, जावेद खान और संदीपन साहा को महासचिव बनाया गया। इस नये ढांचे के जरिये बागी गुट ने ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव के पद से प्रभावी रूप से हटा दिया है। रघुनाथगंज के विधायक अखरुज्जमां अंसारी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

पुरी रथ यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम: 7000 पुलिसकर्मी तैनात, 475 कैमरों से होगी चप्पे-चप्पे की निगरानी

ओडिशा, 23 जून। ओडिशा सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह पुरी में 16 जुलाई से शुरू होने वाली भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के लिए लगभग सात हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती करेगी और 475 सीसीटीवी कैमरे लगाएगी। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने रथ यात्रा को लेकर आयोजित दूसरी समन्वय बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, "इस बार राज्य सरकार ने जनवरी से ही रथ यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी थी और त्योहार को बिना किसी गड़बड़ी या घटना के संपन्न कराने के लिए उपाय किए जा रहे हैं।"

हरिचंदन ने बैठक के दौरान कहा कि सभी संबंधित विभागों से रथ यात्रा शुरू होने से काफी पहले अपना काम पूरा करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मंदिर परिसर के भीतर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था के प्रभारी एडीजीपी सौमेंद्र प्रियदर्शी ने बताया कि त्योहार के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत पुलिस बल की करीब 220 प्लाटून (एक प्लाटून में 30 जवान होते हैं) तैनात की जाएंगी। साथ ही, स्नान पूर्णिमा (20 जून) से नीलाद्रि बिजे (28 जुलाई) तक पांच-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू रहेगी।

उन्होंने बताया कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारियों को सुरक्षा के अलग-अलग पहलुओं, जैसे भीड़ प्रबंधन, यातायात, कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण में तैनात किया

जाएगा। प्रियदर्शी ने कहा कि उत्सव के दौरान एनएसजी की एक विशेष टीम तैनात की जाएगी और पूरे पुरी नगर निगम इलाके की निगरानी सीसीटीवी से की जाएगी। उन्होंने कहा, "हमने अब तक 'बड़ा दांडा' (मंदिर के सामने की विशाल सड़क)पर लगभग 200 सीसीटीवी कैमरे लगा दिए हैं।"

एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस बार भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए एक विशेष योजना बनाई गई है, क्योंकि पिछले साल ऐसी ही स्थिति में तीन लोगों की मौत हो गई थी। सुरक्षा के अलावा, सरकार की तैयारी स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी केंद्रित है क्योंकि 16 जुलाई को उत्सव के पहले दिन 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के एकत्र होने की संभावना है। राज्य के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग ने कहा, "स्वास्थ्य विभाग ने श्रद्धालुओं के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं, जिनमें ज़िला मुख्यालय अस्पताल में अतिरिक्त बिस्तर और एक विशेष बर्न यूनिट की स्थापना शामिल है। उन्होंने कहा कि बड़ा डंडा पर 30 प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और दो 'कैजुअल्टी सेंटर' बनाए जाएंगे और उत्सव के दौरान एम्बुलेंस का एक बेड़ा तैनात किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि भारी भीड़ के मद्देनजर रेलवे 370 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन करेगा और तीर्थयात्रियों के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर खोलेगा।

4 महीने में 8 लोगों को उतारा मौत के घाट, पुलिस ने 'साइको किलर' को किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़, 23 जून। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा ज़िले के खर्वे गांव से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने एक ऐसे सीरियल किलर को गिरफ्तार किया है जिसने पिछले चार महीनों के भीतर आठ लोगों को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी व्यक्तिगत रंजिश के चलते शराब में जहर मिलाकर अपने शिकारों को पिलाता था।

पुलिस पूछताछ में आरोपी रामसहाय जायसवाल ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी ने बताया कि उसने पुरानी रंजिश, गाली-गलौज, जमीन विवाद, पत्नी पर गलत नजर रखने की आशंका, कर्ज और टोना-टोटका जैसे अलग-अलग कारणों से एक-एक कर आठ ग्रामीणों को निशाना बनाया। आरोपी ने न केवल आठ लोगों की हत्या की, बल्कि एक अन्य व्यक्ति की जान लेने का भी प्रयास किया था।

जांच के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपी ने इंसानों को निशाना बनाने से पहले एक कुत्ते पर जहरीले पदार्थ का परीक्षण किया था। इसके बाद उसने चूहे मारने की दवा के बहाने 'सुहागा' नामक जहरीला पदार्थ हासिल किया और उसे शराब में मिलाकर अपने परिचितों को पिलाना शुरू कर दिया। फरवरी से मई 2026 के बीच हुई इन संदिग्ध मौतों से गांव में खौफ का माहौल पैदा हो गया था।

रेलवे का महिलाओं को बड़ा तोहफा, दिल्ली-लखनऊ समेत इन स्टेशनों पर मुफ्त में मिलेंगे सैनिटरी पैड

नई दिल्ली, 23 जून। भारतीय रेलवे ने ट्रेन में सफर करने वाली महिलाओं की सुविधा को लेकर एक अहम कदम उठाया है। रेल मंत्रालय ने महिलाओं को माहवारी (पीरियड्स) से जुड़ी जरूरी चीजें मुहैया करवाने का आदेश जारी किया है। उत्तर रेलवे ने दूरसंचार अवसंरचना क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंडस टावर्स के सहयोग से 175 रेलवे स्टेशनों पर 500 सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें स्थापित की हैं।

दिल्ली, लखनऊ, अंबाला, फिरोजपुर समेत कई स्टेशनों पर महिलाओं को 24 घंटे ही इस सुविधा का लाभ मिलेगा। इंडस टावर्स के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) कार्यक्रम नारी सम्मान के अंतर्गत अब तक 3

करोड़ से अधिक सैनिटरी पैड वितरित किए जा चुके हैं। रेल यात्रा के दौरान कई बार महिलाओं को अचानक सैनिटरी पैड की आवश्यकता पड़ जाती है, लेकिन स्टेशन पर पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसी समस्या को दूर करने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की गई है। इंडस टावर्स ने अपने प्रमुख उरफ कार्यक्रम प्रगति के तहत इस परियोजना को लागू किया है, जिसका उद्देश्य मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और महिलाओं को आवश्यक सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध कराना है।

स्थापित की गई वेंडिंग मशीनें इंटरनेट ऑफ थिंग्स तकनीक से जुड़ी हुई हैं। इस तकनीक की मदद से मशीनों में पैड का स्टॉक कम होने पर कंट्रोल सेंटर को स्वतः सूचना मिल जाती है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

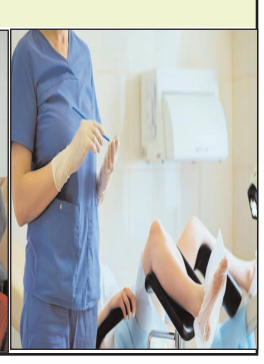

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी: कब जागेगा तंत्र?

-ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, जांच के आदेश दे दिए गए हैं, कड़ी कार्रवाई होगी। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इस जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुंह पर।

लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जेबें गर्म करते रहना है?

वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टें के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया से बदलकर दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है।

कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाही लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वहीं सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती हैं? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। जैसे-जैसे जीवन तेज होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सतर्कता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबे के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लखनऊ का यह अग्निकांड एक चेतावनी है। यदि अब भी शासन-प्रशासन नहीं जागा, तो ऐसी त्रासदियां भविष्य में और अधिक भयावह रूप धारण कर सकती हैं। यह समय आत्ममंथन का है, क्योंकि हर अग्निकांड के बाद यदि केवल राख बचती है और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर लौट जाती है, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक प्रकार का संस्थागत अपराध है। देश को अब संवेदना नहीं-व्यवस्था चाहिए, जांच नहीं-जवाबदेही चाहिए और आश्वासन नहीं-ठोस कार्रवाई चाहिए। अन्यथा हर अग्निकांड के बाद यही प्रश्न गूंजता रहेगा-आखिर कब जागेगा तंत्र?

मानसून बिगड़ा तो देश की आर्थिक स्थिति और महंगाई पर असर

अशोक भाटिया

भारतीय रिजर्व बैंक के जून बुलेटिन में प्रकाशित स्टेट ऑफ द इकोनॉमी लेख में कहा गया है कि यदि दक्षिण-पश्चिम मानसून उम्मीद के मुताबिक नहीं रहता, तो इसका असर देश की आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर पड़ सकता है. भारत की अर्थव्यवस्था फिलहाल मजबूत स्थिति में है, लेकिन कृषि और ग्रामीण मांग काफी हद तक मानसून पर निर्भर करती है. ऐसे में कमजोर बारिश खाद्य उत्पादन को प्रभावित कर सकती है, जिससे महंगाई बढ़ने और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति पर असर पड़ने की आशंका पैदा हो सकती है.

लेख में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक माहौल अभी पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है. पश्चिम एशिया में हाल के अंतरिम शांति समझौते से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं. रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में आर्थिक जोखिम ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं और यदि मौजूदा समझौते कमजोर पड़ते हैं या तनाव फिर बढ़ता है, तो इसका असर वैश्विक बाजारों और निवेश गतिविधियों पर दिखाई दे सकता है.

इस समय मानसून का इंतजार कर रहे किसानों के साथ-साथ मानसून की राह देख रहे उत्तर भारत के लोगों के लिए अच्छी खबर नहीं है क्योंकि मानसून अपने समय से लेट हो चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून एक सप्ताह की देरी से आ सकता है। स्काईमेट का दावा है कि उत्तर भारत में मानसून आने में देर हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार वह कमजोर रहने वाला है, जबकि प्री-मानसून में भी बारिश बहुत कम हुई है। इसके साथ ही आधिकारिक तौर पर चार माह के लिए बारिश के मौसम की शुरूआत होती है। लेकिन इस बार आठ जून को मानसून के केरल तट पहुंचते की संभावना जताई गई थी।

गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से भारतीय मानसून को अल-नीनो ने कमजोर करते आ रहा था। कृषि, भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ होने के कारण मानसून यहां की कृषि और अर्थव्यवस्था, दोनों को समान रूप से प्रभावित करता है। वास्तव में, मानसून के आसपास भारतीय अर्थव्यवस्था घूमती है। मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरित प्रभाव पडेगा। दरअसल, एक खराब मानसून न केवल तेजी से बढ़ती उपभोक्ता वस्तुओं की मांग को कमजोर करता है, बल्कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं के आयात को भी बढ़ावा देता है, और सरकार को कृषि ऋण छूट जैसे उपाय करने को भी मजबूर करता है। जिससे सरकार पर वित्त का दबाव बढ़ जाता है।

वातावरण में आ रहे बदलावों ने बीते कुछ दशकों के दौरान मानसून के मिजाज को बदल डाला है। विशेषज्ञों को लग रहा है कि हमें अपनी खेती में बड़े बदलाव लाने की जरूरत है। उनका मानना है कि अगर जल्द ही हमारी खेती ने मानसून के बदले मिजाज के साथ तालमेल नहीं बिठाया तो एक अरब से ज्यादा आबादी वाले हमारे देश में अभूतपूर्व खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है। जाहिर है, जिस तरह से सिंचाई भगवान भरोसे है और ग्लोबल वार्मिंग से बारिश का चक्र बदल रहा है। उसका सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है।

इससे राष्ट्रीय आय में गिरावट के चलते सरकार का राजस्व तेजी से गिरावट आ सकती है। इसलिए कह सकते हैं कि राज्य का राजस्व और आय हर साल मॉनसून पर निर्भर करती है। इन्हीं वजहों से कहा जाता है कि मॉनसून का भारतीय अर्थव्यवस्था से गहरा नाता है। यदि मानसून कमजोर रहा तो देश के सामने कई मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। कृषि उत्पाद पर असर पड़ सकता है। पैदावार पूरी तरह प्रभावित होने से महंगाई का बढ़ना निश्चित है। इतना ही नहीं, अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने की कोशिशों को करारा झटका लग सकता है। वहीं ग्रामीण आमदनी और उपभोक्ता के खर्च के लिए मौसमी बारिश अहम कारक है। देश की दो-तिहाई भाग ग्रामीण क्षेत्रों में है, जहां कृषि ही आय का मुख्य स्रोत है। मानसून को लेकर जो खबरें आ रही हैं, उनसे लग रहा है कि परिस्थितियां डराने वाली होंगी।

वास्तव में किसानों के लिए गर्मी के मौसम की बारिश बड़ी अहमियत रखते है क्योंकि देश के केवल 40 फीसद कृषि क्षेत्र के बारे में कहा जा सकता है कि वहां सिंचाई की सुविधाएं हैं और एकाध मानसून में वह गड़बड़ी बर्दाश्त कर सकता है। लेकिन शेष 60 फीसद इलाका मानसून पर ही निर्भर होता है। ऐसे में बारिश सामान्य से कम हुई तो मुश्किल होना स्वाभाविक है। यों कहें बारिश और खाद्यान्न उत्पादन का कीमतों से सीधा संबंध है। कम बारिश और उच्च मंहगाई का रिश्ता स्पष्ट दिखाई देता है। चूंकि देश के 14 करोड़ से अधिक परिवार खेती पर निर्भर है, इसलिए कम बारिश की स्थिति में खेती-किसानी से जुड़े अधिकांश छोटे किसानों का जीवन सर्वाधिक प्रभावित होता है। तो कहा जा सकता है कि अभी भी भारतीय कृषि बहुत हद तक मानसून पर निर्भर है।

भारतीय खाद्यान्नों की शत-प्रतिशत पूर्ति यहां होने वाली कृषि से ही होती है, जो पूर्णतया खेती की सफलता पर निर्भर है। इसके अतिरिक्त, देश के 22 करोड़ पशुओं को चारा भी कृषि से ही प्राप्त होता है। कृषि के न होने या अत्याल्पावस्था में हो पाने की स्थिति में पशुओं से प्राप्त होने वाली आय तथा सुविधाओं में कमी आ जाती है। इस तरह मानसून के प्रतिकूल होने पर देश में खाद्यान्नों तथा कृषि से संबंद्ध विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चा माल विदेशों से मांगना पड़ता है, जिसके लिए काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा का व्यय होता है। मौसम अनुकूल रहता है तो इन्हीं उत्पादों का विदेशों को निर्यात कर बड़ी मात्रा में विदेशी पूंजी प्राप्त हो जाती है।

वातावरण में आ रहे बदलावों ने बीते कुछ दशकों के दौरान मानसून के मिजाज को बदल डाला है। विशेषज्ञों को लग रहा है कि हमें अपनी खेती में बड़े बदलाव लाने की जरूरत है। उनका मानना है कि अगर जल्द ही हमारी खेती ने मानसून के बदले मिजाज के साथ तालमेल नहीं बिठाया तो एक अरब से ज्यादा आबादी वाले हमारे देश में अभूतपूर्व खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है। जाहिर है, जिस तरह से सिंचाई भगवान भरोसे है और ग्लोबल वार्मिंग से बारिश का चक्र बदल रहा है। उसका सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है। बेशक, दिन प्रतिदिन हमारी जरूरतें बढ़ रही हैं। 2050 में 1.6 से 1.7 अरब भारतीयों का पेट भरने के लिए हमें 45 करोड़ टन खाद्यान्न की जरूरत होगी यानी मौजूद से दुगना। ऐसे में बिना सिंचित क्षेत्र में वृद्धि के सिर्फ मानसून भरोसे इसे हासिल करना असंभव है। यह विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम मानसून पर निर्भरता कम नहीं कर पाए।

वहां नेता बदलता है, यहां पार्टी टूट जाती है

लोकतंत्र में एक कुर्सी की कीमत क्या है? यह सवाल अक्सर धूल-धूसरित बहसों में खो जाता है, लेकिन ब्रिटेन की राजनीति ने आज एक ऐसा उदाहरण पेश किया है जो दुनिया भर के सत्ताधारियों को आईना दिखा रहा है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का इस्तीफा महज एक राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह उस संसदीय संस्कृति की परिणति है जहाँ व्यक्ति से बड़ी उसकी पार्टी और पार्टी से बड़ा जनता का भरोसा होता है। जब स्टार्मर ने यह कहा कि उनकी पार्टी उनसे यह सवाल कर रही है कि क्या वे अगले चुनाव में नेतृत्व के लिए सबसे सक्षम हैं और वे इसे पूरी गरिमा के साथ स्वीकार करते हैं, तो उन्होंने सिर्फ पद नहीं छोड़ा, बल्कि यह साबित कर दिया कि लोकतंत्र में सत्ता का हस्तांतरण केवल चुनाव की बैलेट पेटियों तक सीमित नहीं होता। गौर करने वाली बात यह है कि जुलाई 2024 में स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने 412 सीटों का जो प्रचंड बहुमत हासिल किया था, वह ऐतिहासिक था। उन्होंने कंजर्वेटिव पार्टी के 14 साल के वर्चस्व को ध्वस्त किया था। लेकिन महज दो साल के भीतर, जून 2026 में, वही कीर स्टार्मर अपनी ही पार्टी के करीब 100 सांसदों के दबाव के आगे झुकने को मजबूर हो गए। यह घटनाक्रम हमें उन तमाम पुराने और नए राजनीतिक समीकरणों को जोड़ने पर मजबूर करता है, जो ब्रिटेन और भारत की संसदीय प्रणाली के बीच की गहरी लकीरों को स्पष्ट करते हैं।

ब्रिटेन के इस घटनाक्रम को समझने के लिए हमें उस व्यवस्था की नब्ज देखनी होगी जो वहां पिछले एक दशक से लगातार करवट ले रही है। डेविड कैमरन से लेकर थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक तक, ब्रिटेन की राजनीति में पिछले दस वर्षों में छह प्रधानमंत्री ऐसे रहे जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले ही इस्तीफा दे दिया। यह स्थिरता की कमी नहीं, बल्कि जवाबदेही की एक बेहद कड़वी और अनिवार्य प्रक्रिया है। वहां का सिस्टम एक स्पष्ट संदेश देता है प्रधानमंत्री पद कोई स्थायी जागीर नहीं है। यदि आप महत्वपूर्ण विधायी बिल पास नहीं करा पा रहे हैं या आपकी अपनी ही पार्टी में आपके नेतृत्व को लेकर अविश्वास पैदा हो गया है, तो लोकप्रियता के शिखर पर होने के बावजूद आपका टिके रहना असंभव हो जाता है। कीर स्टार्मर के मामले में भी यही हुआ। चुनाव जीतने के बाद अर्थव्यवस्था का दबाव, एनएचएस की लचर स्थिति और अवैध प्रवासन जैसे मुद्दों ने उनकी छवि को धूमिल किया। जब एंडी बर्नहम की बाई-इलेक्शन में

-अजय कुमार

जीत ने पार्टी के भीतर नेतृत्व के लिए एक नया विकल्प पेश किया, तो सांसदों ने बिना किसी संकोच के स्टार्मर के सामने सवाल खड़े किए। ब्रिटेन में इसे गद्दारी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया माना जाता है। वहां वोटर पार्टी को नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के सांसद को वोट देते हैं, इसलिए सांसद अपनी अंतरात्मा और अपने क्षेत्र की जनता के प्रति जवाबदेह होता है। वहां का कोई दल-बदल कानून ऐसा नहीं है जो सांसद को अपनी बात कहने से रोक सके। व्हिप का उल्लंघन हो सकता है, लेकिन पार्टी छोड़ने पर सदस्यता खत्म होने का डर वहां की संस्कृति में नहीं है।

अब जरा इस परिदृश्य को भारत की संसदीय व्यवस्था के चश्मे से देखिए, जहाँ तस्वीर पूरी तरह उलट है। भारत में 1985 का दल-बदल कानून (10वीं अनुसूची) आज एक ऐसी दीवार बन चुका है जिसने पार्टी हाई-कमांड को बेलगाम शक्तियां दे दी हैं। इस कानून का उद्देश्य तो दल-बदल की अराजकता को रोकना था, लेकिन व्यवहार में इसने असहमति की हर आवाज को 'बागी' या 'गद्दार' का तमगा दे दिया है। भारत में यदि कोई सांसद या विधायक अपनी पार्टी की लाइन से जरा भी असहमत होता है, तो उसे निष्कासन का सामना करना पड़ता है। नतीजा यह होता है कि पार्टी के भीतर लोकतांत्रिक बहस खत्म हो जाती है और असंतोष एक अंदरूनी विस्फोट का रूप ले लेता है, जैसा हमने शिवसेना और तृणमूल कांग्रेस के मामलों में देखा। शिवसेना में 2022 में जो हुआ, वह एक स्वस्थ संवाद की कमी का ही परिणाम था। यदि पार्टी के भीतर नेतृत्व परिवर्तन के लिए ब्रिटेन जैसा खुला मंच होता, तो शायद पूरी पार्टी का विभाजन नहीं होता। इसी तरह पश्चिम बंगाल में टीएमसी के भीतर बढ़ता असंतोष भी यह बताता है कि जब सत्ता का केंद्र एक परिवार या एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द सिमट जाता है, तो वहां सवाल पूछने वालों के लिए कोई जगह नहीं बचती। भारत में पार्टियां अक्सर प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों की तरह काम करती हैं, जहां असहमति का मतलब ही 'बाहर का रास्ता' होता है।

ब्रिटेन में नेतृत्व का चयन सांसदों और पार्टी सदस्यों के वोट के जरिए होता है, जहाँ विश्वास मत के जरिए विवादों को सुलझाया जाता है। नेता को आलोचना का सामना करना पड़ता है, लेकिन उसे कभी विद्रोही नहीं कहा जाता। वहीं, भारत में कई क्षेत्रीय दल परिवार-केंद्रित हैं। वहां नेता ही संस्था है। ब्रिटेन में नेता बदल जाता है ताकि पार्टी बची रहे, जबकि भारत में कई बार पार्टी टूट जाती है ताकि नेता की कुर्सी बची रहे। यह विरोधाभास आज की राजनीति का सबसे कड़वा सच है। कीर स्टार्मर का इस्तीफा हमें सिखाता है कि जब कोई नेता जनता की अपेक्षाओं और पार्टी के विश्वास पर खरा नहीं उतरता, तो उसे हट जाना चाहिए। स्टार्मर ने 412 सांसदों के बहुमत के बाद भी इस्तीफा दिया क्योंकि वे जानते थे कि कुर्सी से चिपके रहने की कीमत अंततः पार्टी और देश को चुकानी पड़ेगी।

जब हम इन तमाम कड़ियों को जोड़ते हैं, तो पाते हैं कि ब्रिटेन का मॉडल भले ही अस्थिरता का संकेत देता हो, लेकिन वह जवाबदेही की एक ऐसी मिसाल है जो लोकतंत्र की असली आत्मा को जीवित रखती है। इसके विपरीत भारत की व्यवस्था स्थिरता तो देती है, लेकिन वह आंतरिक लोकतंत्र को खोखला कर रही है। भारत में आज जरूरत इस बात की है कि पार्टियों के भीतर भी एक ऐसा वातावरण तैयार किया जाए जहाँ 'सक्षम नेतृत्व' के सवाल को विद्रोह नहीं, बल्कि आत्म-मंथन माना जाए। राजनीति में जवाबदेही और बहस की खुली संस्कृति ही वह एकमात्र रास्ता है जिससे कोई भी लोकतंत्र अपनी जड़ें गहरी कर सकता है। स्टार्मर का यह इस्तीफा आधुनिक संसदीय इतिहास में एक ऐसे मोड़ की तरह याद रखा जाएगा, जहां एक नेता ने सत्ता के गलियारों से बाहर निकलकर यह स्वीकार किया कि लोकतंत्र कुर्सी पर नहीं, बल्कि लोगों के भरोसे पर टिका होता है। आने वाले समय में भारत के राजनीतिक दलों को यह तय करना होगा कि क्या वे 'पार्टी-प्रधान' व्यवस्था में खुद को सीमित रखेंगे या फिर 'लोकतंत्र-प्रधान' बनकर अपने भीतर के असंतोष को एक नई ऊर्जा में बदलेंगे। अंततः, चुनाव जीतना ही आखिरी मंजिल नहीं है, बल्कि उस जीत के बाद हर पल साबित करना कि आप सेवा करने के लिए सबसे सक्षम हैं, यही असली नेतृत्व है। जिस दिन यह अहसास हमारे राजनीतिक गलियारों में घर कर लेगा, उस दिन शायद 'बागी' और 'गद्दार' जैसे शब्दों की जगह 'संवाद' और 'सुधार' ले लेंगे।

लखनऊ अग्निकांड : रिश्वत की इमारत में जिंदा जल गए सपने

-सुरेश गांधी

लखनऊ के अलीगंज में जो कुछ हुआ, उसे महज एक अग्निकांड कह देना उन मासूम जिंदगियों के साथ अन्याय होगा, जिनकी सांसें धुएं में घुट गईं। यह हादसा केवल आग से नहीं, बल्कि वर्षों से पल रही प्रशासनिक लापरवाही, भ्रष्ट तंत्र और नियमों की सुनियोजित हत्या से पैदा हुआ है। जिस इमारत में भविष्य गढ़ने की उम्मीद लेकर युवा पहुंचे थे, वह देखते ही देखते मौत की कैद में बदल गई। बाहर निकलने का रास्ता नहीं था, सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे, लेकिन कारोबार पूरे शोर-शराबे के साथ चल रहा था। सवाल यह नहीं कि आग कैसे लगी; सवाल यह है कि उसे इतना भयावह बनने की छूट किसने दी? यदि एक आवासीय भवन को व्यावसायिक परिसर में बदलने, फायर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने और दर्जनों युवाओं की जान जोखिम में डालने के बावजूद वर्षों तक कोई जिम्मेदार नहीं जागा, तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि व्यवस्था का सामूहिक अपराध है। अब गिरफ्तारी, निलंबन और मुआवजे से आगे बढ़कर जवाबदेही तय करनी होगी। क्योंकि हर बार हादसे के बाद संवेदनाएं व्यक्त करना आसान है, लेकिन अगला हादसा रोकने के लिए व्यवस्था का चरित्र बदलना ही असली न्याय होगा। मतलब साफ है लखनऊ अग्निकांड ने सिर्फ 15 जिंदगियां नहीं छीनीं, बल्कि भ्रष्ट तंत्र, नियमों की खरीद-फरोख्त और सरकारी लापरवाही की पूरी इमारत को बेनकाब कर दिया। अब सवाल सिर्फ शॉर्ट सर्किट का नहीं, उस सिस्टम का है जिसने रिश्वत के तारों से मौत का जाल बुना

जी हां, यह आग शॉर्ट सर्किट से नहीं, व्यवस्था के चरित्र में लगे शॉर्ट सर्किट से भड़की है। लखनऊ के अलीगंज में जली वह इमारत केवल ईंट, सीमेंट और लोहे का ढांचा नहीं थी। वह भ्रष्टाचार, प्रशासनिक उदासीनता और नियमों की खुलेआम नीलामी का जीवित प्रमाण थी। सोमवार को जब आग की लपटें उस भवन को निगल रही थीं, तब केवल कमरे नहीं जल रहे थे; देश के उन सपनों की भी चिताएं सज रही थीं जिन्हें लेकर सैकड़ों किलोमीटर दूर से आए युवा अपने भविष्य का निर्माण करने पहुंचे थे। इन मृतकों की उम्र बीस से चौबीस वर्ष के बीच थी। कोई 3डी गेम डेवलपर बनने का सपना देख रहा था, कोई एनीमेशन की दुनिया में पहचान बनाना चाहता था, कोई अपने परिवार की पहली पीढ़ी था जो उच्च तकनीकी शिक्षा लेकर गरीबी का चक्र तोड़ना चाहता था। लेकिन उनकी मंजिल नौकरी नहीं, मौत बन गई। प्रश्न यह नहीं है कि आग कैसे लगी। प्रश्न यह है कि आग लगने के बाद बचने का कोई रास्ता क्यों नहीं था? किसने उस इमारत को रिहायशी नक्शे पर व्यावसायिक गतिविधियों का अड्डा बनने दिया? किस अधिकारी ने आंखें मूंद लीं? किसने फायर एनओसी के बिना संचालन होने दिया? किसने एक ही सीढ़ी वाले भवन में दर्जनों छात्रों और कर्मचारियों को बैठने की अनुमति दी? किसने इमरजेंसी एग्जिट के बिना क्लासें चलने दीं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर केवल भवन मालिक, स्टूडियो संचालक और मैनेजर तक सीमित कर दिए गए, तो यह न्याय नहीं होगा। क्योंकि जिस व्यवस्था की जेब में रिश्वत चली जाती है, वहां मौत का वारंट पहले ही लिख दिया जाता है। हर बड़े हादसे के बाद वही क्रम दोहराया जाता है—मुख्यमंत्री का दौरा, एसआईटी का गठन, अधिकारियों का निलंबन, मुआवजे की घोषणा और फिर धीरे-धीरे सब कुछ फाइलों में दफन। लेकिन जिन परिवारों के घरों में अब बेटे-बेटियां कभी वापस नहीं लौटेंगे, उनके लिए दो लाख रुपये की सहायता किसी जीवन का विकल्प नहीं हो सकती।

यह केवल अग्निकांड नहीं, प्रशासनिक हत्या का मामला है। यदि किसी भवन में इमरजेंसी एग्जिट नहीं है, यदि फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं है, यदि ऑटोमैटिक गेट लोगों को बाहर निकलने से रोक देता है, यदि भवन का उपयोग स्वीकृत नक्शे के विपरीत किया जा रहा है और इसके बावजूद वर्षों तक कोई कार्रवाई नहीं होती, तो यह दुर्घटना नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। आज बुलडोजर चलाने की मांग बहुत लोग कर रहे हैं। लेकिन बुलडोजर केवल जली हुई इमारत पर चले, इससे न्याय पूरा नहीं होगा। बुलडोजर उस मानसिकता पर चलना चाहिए जिसने नियमों को बेच दिया। उन अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए जिनकी कलम के नीचे अवैध निर्माण वैध बनते रहे। जिन निरीक्षकों ने रिपोर्टों में सब कुछ ठीक लिखा, जिन विभागों ने आंखें बंद रखीं, जिन लोगों ने सुविधा शुल्क लेकर मौत की इमारत को खड़ा रहने दिया—उन सबकी जवाबदेही अदालत के कठघरे तक पहुंचनी चाहिए।

यह भी दुर्भाग्य है कि भारत में हर बड़ी त्रासदी के बाद नियमों की याद आती है। कुछ दिनों तक अभियान चलता है, नोटिस जारी होते हैं, निरीक्षण होते हैं, फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अगली आग, अगला पुल, अगली इमारत और अगली मौतें फिर उसी चक्र को दोहराती हैं। सवाल केवल लखनऊ का नहीं है। देश के लगभग हर शहर में हजारों ऐसी इमारतें हैं जहां कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, हॉस्टल, अस्पताल, गेमिंग स्टूडियो और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बिना पर्याप्त अग्नि सुरक्षा के संचालित हो रहे हैं। क्या प्रशासन अगले हादसे का इंतजार कर रहा है? ऊपर वाले की लाठी में आवाज नहीं होती। लेकिन जब न्याय प्रकृति करती है तो सबसे पहले अहंकार टूटता है। यदि इस घटना के बाद भी व्यवस्था नहीं बदली, यदि जिम्मेदार लोगों को केवल निलंबन और औपचारिक कार्रवाई तक सीमित रखा गया, यदि पूरे प्रदेश में सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा नहीं हुई, तो यह मान लेना चाहिए कि हमने इन 15 युवाओं की मौत से भी कोई सबक नहीं सीखा।

उन जली हुई लाशों से एक ही आवाज उठ रही है—हमें मुआवजा नहीं, जवाब चाहिए। हमें संवेदना नहीं, जवाबदेही चाहिए। हमें भाषण नहीं, ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें किसी मां को अपने बच्चे का जला हुआ शरीर पहचानने के लिए अस्पतालों के चक्कर न लगाने पड़ें। इतिहास गवाह है कि सभ्यताएं बाहरी आक्रमणों से कम और भीतर की सड़ांध से अधिक नष्ट होती हैं। यदि भ्रष्टाचार, लापरवाही और नियमों की खरीद-फरोख्त इसी तरह जारी रही, तो हर शहर में ऐसी इमारतें खड़ी होंगी जो बाहर से आधुनिक दिखेंगी, लेकिन भीतर मौत का कुआं साबित होंगी। लखनऊ का यह अग्निकांड केवल 15 युवाओं की मृत्यु नहीं है। यह उस व्यवस्था के चेहरे पर लगा ऐसा कालिख का धब्बा है जिसे केवल जांच आयोगों से नहीं, कठोर दंड, पारदर्शी जवाबदेही और ईमानदार प्रशासनिक सुधारों से ही मिटाया जा सकता है। क्योंकि हादसे ईश्वर नहीं करवाता... हादसे अक्सर वही व्यवस्था करवाती है, जो रिश्वत के बदले मौत को भी अनुमति-पत्र जारी कर देती है।

अलीगंज के पुरनिया इलाके में मंगलवार की सुबह भी धुएं की हल्की गंध हवा में तैर रही थी। जिस बहुमंजिला इमारत में सोमवार दोपहर तक कंप्यूटर स्क्रीन पर भविष्य के सपने डिजाइन किए जा रहे थे, वहां अब जले हुए शीशे, मुड़े हुए लोहे, राख और सन्नाटा पसरा था। चारों ओर पुलिस का पहरा था, दमकल की गाड़ियां अब भी खड़ी थीं और मलबे के बीच जांच एजेंसियों की टीम हर उस सुराग को तलाश रही थी, जो इस भयावह त्रासदी की असल वजह तक पहुंचा सके। घटनास्थल के बाहर सबसे दर्दनाक दृश्य उन परिवारों का था, जिनकी आंखें हर निकलते स्ट्रेचर पर अपने बेटे या बेटी को तलाश रही थीं। किसी के हाथ में मोबाइल था, जिसमें आखिरी बार आए कॉल की घंटी अब भी सुरक्षित थी। कोई अस्पतालों के चक्कर लगा रहा था तो कोई पुलिस अधिकारियों से सिर्फ एक सवाल पूछ रहा था—ʺमेरा बच्चा कहां है?

नशा विरोधी सप्ताह के तहत रईस हाई स्कूल में विद्यार्थियों को किया गया जागरूक, विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्तालय ठाणे, भिवंडी सिटी पुलिस स्टेशन तथा रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को नशा विरोधी सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीएसआई विजय काडाले, प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, पुलिस नायक शरद सनप, उपप्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, पर्यवेक्षक असरार पठान, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। पीएसआई विजय काडाले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जीवन पर गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने की अपील की। प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से बचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। वहीं पुलिस नायक शरद सनप ने गलत संगति और जिज्ञासा के कारण युवाओं के नशे की गिरफ्त में आने की आशंका बताते हुए सतर्क रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशे से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन आमिर सिद्दीकी ने किया।

भिवंडी में मंदिर से पौने चार लाख के सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाला आरोपी नेपाल सीमा से गिरफ्तार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। नारपोली पुलिस थानांतर्गत स्थित हनुमान मंदिर से करीब 3 लाख 75 हजार 500 रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और छत्र चोरी करने वाले आरोपी को नारपोली पुलिस ने नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 350 ग्राम वजन के चांदी के आभूषण भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गत माह धामणकर नाका-अंजूरफाटा मार्ग पर स्थित हनुमान मंदिर में अज्ञात चोर ने घुसकर दो चांदी के मुकुट, चार छत्र, अन्य आभूषण तथा सोने का छत्र चोरी कर लिया था। चोरी गए सामान की कुल कीमत 3 लाख 75 हजार 500 रुपये आंकी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कादबाने के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक आकाश पवार और उनकी टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने भिवंडी और कल्याण रेलवे स्टेशन क्षेत्र के कुल 18 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान हुई, जो कल्याण स्टेशन से काशी एक्सप्रेस के जरिए उत्तर प्रदेश के गोरखपुर की ओर जाता दिखाई दिया। तकनीकी जांच और मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी की पहचान अजय रामअवतार पासी (23), निवासी कुशवाह गांव, नेपाल के रूप में हुई। आरोपी के सिद्धार्थनगर (उत्तर प्रदेश) क्षेत्र में होने की जानकारी मिलने पर नारपोली पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से उसकी तलाश शुरू की। आरोपी लगातार नौ दिनों तक पुलिस को चकमा देता रहा। वह दिन में मोबाइल चालू रखता और रात में बंद कर देता था। साथ ही क्षेत्र घने जंगल और झाड़ियों से घिरा होने के कारण पुलिस को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।आखिरकार आरोपी के परसा रेलवे स्टेशन रोड क्षेत्र में आने की सूचना मिलने पर नारपोली पुलिस ने शोहरतगढ़ एसटीएफ टीम के सहयोग से जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने उसके कब्जे से 26 हजार 250 रुपये मूल्य के 350 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया 'मल्टीफैक्टर इंडेक्स फंड'

मुंबई/पटना। बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेशकों के लिए अपने लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों पर टिके रहना मुश्किल हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने 'टाटा एआईए मल्टीफैक्टर इंडेक्स फंड' लॉन्च किया है। यह एक यूलिप प्लान है जो ग्राहकों को जीवन बीमा की सुरक्षा देने के साथ-साथ शेयर बाजार से मुनाफा कमाने का मौका भी देता है। यह फंड निफ्टी 500 की शीर्ष कंपनियों में से 4 मुख्य फैक्टर्स – कम उतार-चढ़ाव, बेहतरीन क्वालिटी, सही कीमत, और तेजी की रफ्तार – को मिलाकर 50 सबसे मजबूत कंपनियों को चुनता है. इसमें कम उतार-चढ़ाव पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जाता है, जिससे केवल उन्हीं कंपनियों को चुना जाता है जिनके शेयरों की कीमतें इतिहास में काफी स्थिर रही हैं। यह रणनीति निवेशकों को शेयर बाजार की बढ़त का पूरा फायदा उठाने का मौका देती है, और साथ ही उनके निवेश को बाजार के जोखिमों से बचाकर एक सुरक्षित और मजबूत सफर प्रदान करती है। भारत में खपत, विनिर्माण, बुनियादी ढांचा विकास और डिजिटल विस्तार के दम पर लंबे समय में मजबूत बढ़त की बेहतरीन संभावनाएं हैं। हालांकि, शेयर बाजार कभी भी सीधी लकीर में ऊपर नहीं जाता। निवेश में सिर्फ एक ही थीम या एक ही स्टाइल का तरीका अपनाने से जोखिम बढ़ जाता है, जिससे बाजार की किसी खास गिरावट में निवेशकों को बड़ा नुकसान झेलना पड़ सकता है।

टाटा एआईए मल्टीफैक्टर इंडेक्स फंड कमाई के कई अलग-अलग जरियों को एक साथ मिलाकर इस समस्या का समाधान करता है। इसका 'कम उतार-चढ़ाव' वाला हिस्सा कीमतों में होने वाले तेज उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करता है, जबकि क्वालिटी, वैल्यू और मोमेंटम जैसे फैक्टर्स लंबे समय में आपके निवेश को बढ़ाने में मदद करते हैं।

पालघर में एकल महिला नीति पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण व अधिकार संरक्षण पर हुआ मंथन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय तथा जिला परिषद पालघर के संयुक्त तत्वावधान में ₹एकल महिला नीति₹ विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला परिषद सभागार में किया गया। यह कार्यशाला जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

कार्यशाला में महाराष्ट्र शासन की एकल महिला नीति के उद्देश्यों, एकल महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, उनके अधिकारों के संरक्षण, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा शासकीय योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पात्र महिलाओं तक पहुंचाने के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान एकल महिलाओं की समस्याओं, आवश्यकताओं और उनके लिए उपलब्ध सरकारी सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने तथा महिलाओं को योजनाओं से जोड़ने के लिए आवश्यक उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला में जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी विवेक चौधरी, कौशल विकास एवं उद्यमिता मार्गदर्शन अधिकारी रतिंद्र प्रकाश सुनसे, जिला समन्वयक संतोष प्रकाश पाटील, समाज कल्याण अधिकारी प्राजक्ता पानसरे, शिक्षा अधिकारी अशोक पाटील, डीआईईटी के प्राचार्य संभाजी भोजने, संरक्षण अधिकारी संभाजी पवार, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष राजकन्या आडोले, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संगीता चौधरी, पुकार संस्था के प्रदीप सहारे, श्रुतिका शितोले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा पुकार संस्था और मिशन वात्सल्य से जुड़े प्रतिनिधियों, जिले के सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों, जिला बाल संरक्षण कक्ष के अधिकारियों, महिला प्रतिनिधियों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। कार्यशाला में एकल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने पर जोर दिया गया।

ब्रह्मकुमारीज की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

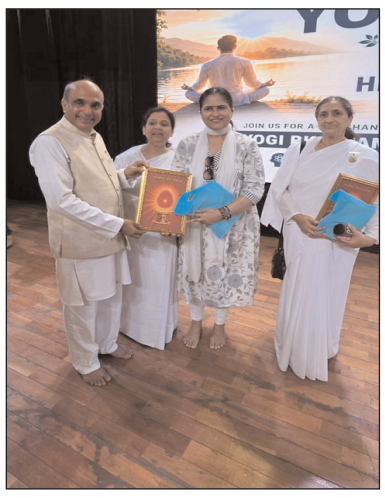

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जुहू के मानीजी कूपर स्कूल में ब्रह्माकुमारीज की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह एवं स्वास्थ्यवर्धक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर देश के सबसे बड़े राजयोगी बीके स्वामीनाथन भाई की मौजूदगी में उक्त कार्यक्रम रखा गया। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए योग की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी । इस अवसर पर प्रमुख रूप से करीना दीदी, तपस्विनी दीदी, हर्षा दीदी और नारी सम्मान संगठन की अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर उपस्थित थी। सुंदरी ठाकुर ने

कहा कि योगशास्त्र भारत की विश्व को दी गई अमूल्य देन है। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है । इस अवसर पर सुंदरी ठाकुर का सम्मान राजयोगी बीके स्वामीनाथन भाई द्वारा किया गया।

घर में सेंधमारी और लाखों की चोरी का आरोपी गिरफ्तार, काशीमीरा पुलिस की बड़ी सफलता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने घर में सेंधमारी कर लाखों रुपये के सोने के आभूषण और नकदी चोरी करने के मामले का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 68.70 लाख रुपये का माल बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता की शिकायत पर काशीमीरा पुलिस स्टेशन में 12 जून 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि अज्ञात आरोपी ने घर की चाबी का उपयोग कर घर में प्रवेश किया और 387.06 ग्राम सोने के आभूषण, जिनकी कीमत 54.75 लाख रुपये है, तथा 80 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अपराध जांच शाखा ने गहन जांच शुरू की। शिकायतकर्ता को चोरी का सही समय ज्ञात नहीं होने के कारण पुलिस ने तकनीकी और गोपनीय जानकारी के आधार पर जांच की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी अली असगर मूसाजी सौदागर (24) और तसनीम मूसाजी सौदागर (46) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि चोरी किए गए सोने के आभूषण उन्होंने जौहरी हितेंद्र बाबूलाल चोरडिया को बेच दिए थे। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 378.80 ग्राम सोने की छड़ें, जिनकी कीमत 56.70 लाख रुपये है, 10.50 लाख रुपये नकद, एक लाख रुपये मूल्य की मोटरसाइकिल तथा अपराध में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन जब्त किए। बरामद माल की कुल कीमत 68.70 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता के घर की चाबी चोरी कर उसी का इस्तेमाल घर में प्रवेश करने के लिए किया था। इस मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक शिवाजी खाड़े कर रहे हैं। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेंद्र कांबले के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में शिवाजी खाड़े, स्वप्निल बेलोसे, डोबाल, गांगुर्डे, निकम, सोनकांबले, पांडागले, सूर्यवंशी, चौधरी तथा जोन-1 की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सती सत चरित्र काव्यखण्ड का भव्य विमोचन ताड़देव स्थित कान्यकुब्ज भवन में संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कान्यकुब्ज ब्राम्हण समाज की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को नई ऊर्जा प्रदान करने वाले एक गरिमामय आयोजन में कान्यकुब्जभूषण पं.आदित्य नारायण द्विवेदी द्वारा रचित काव्यखण्ड ह्यसती सत चरित्रह्ण का भव्य विमोचन मुंबई के ताड़देव स्थित कान्यकुब्ज भवन में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली ने की। कार्यक्रम में साहित्य, समाज एवं सांस्कृतिक जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। मंचासीन अतिथियों में रमेश बहादुर सिंह, सनी बाजपेयी, पंडित कमलेश उपाध्याय, एम बी शुक्ला, सत्यप्रकाश बाजपेयी, अरविन्द अवस्थी, करुणाशंकर शुक्ल, कान्यकुब्जरत्न दिलीप तिवारी,डी पी त्रिवेदी, ग्वालियर से आये पत्रकार राजेश चतुर्वेदी, के के बाजपेयी, दिनेश त्रिवेदी,संजय द्विवेदी, जगतमारायण दीक्षित, डी एस त्रिवेदी, शानू शुक्ला,कुसुम द्विवेदी, रानी मिश्रा, जयश्री द्विवेदी,गीता शुक्ल, मनीषा शुक्ला,सारिका शुक्ला, सरोज शुक्ला,इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आयोजन के प्रकाशन एवं संयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महामंत्री अजय अ. शुक्ल ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में अनिल गलगली ने कहा कि साहित्य समाज की चेतना को दिशा देने वाला माध्यम है और भारतीय परंपरा एवं मूल्यों को संरक्षित करने में ऐसी कृतियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस अवसर पर वक्ताओं ने पं. आदित्यनारायण द्विवेदी के साहित्यिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, आदर्श जीवन एवं सामाजिक मूल्यो का समन्वय दिखाई देता है।

चिन्मया विद्यालय में सोच बदलिए, जीवन बदल जायेगा विषय पर प्रेरक व्याख्यान आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले की औद्योगिक नगरी बोईसर शहर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान चिन्मया विद्यालय में मंगलवार को प्राचार्या डिंपल मिस्त्री के मार्गदर्शन में सोच बदलिए, जीवन बदल जायेगा विषय पर प्रेरणादायी व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रोटरी क्लब ऑफ विरार 2026-27 के रोटरी प्रेसिडेंट नंदकुमार वारियर ने अपनी ओजस्वी व प्रभावशाली शैली में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राएं शामिल रहे। वहीं इस मौके पर अध्यापकगण भी बड़ी संख्या में उपस्थिति थे। विद्यार्थियों ने वक्ता के विचारों को बड़े मनोयोग एवं उत्साह के साथ आत्मसात किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय गुरुकुल परंपरा के अनुरूप अतिथियों के स्वागत तथा श्रीमद्भगवद्गीता के संस्कृत श्लोकों के सस्वर पाठ के साथ हुआ, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी बन गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ मुलुंड साउथ के चार्टर प्रेसिडेंट कैप्टन अशोक अग्रवाल, रोटरी क्लब ऑफ मुलुंड साउथ के इंस्पायर प्रेसिडेंट सपनिस नीमा, रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के इंस्पायर प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल, पास्ट प्रेसिडेंट डॉ. पराग कुलकर्णी, उमरोली क्लब की सेक्रेटरी विभा पाटिल, रोटेरियन भूषण पाटील, जिग्नेश घरत, मेघना वाजे तथा नयनित राऊत सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सकारात्मक, स्वस्थ एवं अनुशासित वातावरण में आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा। समापन अवसर पर कार्यक्रम में सहभागिता व सहयोग हेतु विद्यालय की प्राचार्या डिंपल मिस्त्री ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पहली ही बारिश में कल्याण पूर्व के सड़कें बनीं तालाब, नालेसफाई की खुली पोल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व में मानसून की पहली ही बारिश ने प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। चेतना स्कूल के पास का मुख्य रास्ता पूरी तरह पानी में डूब गया, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश के चलते सड़क पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। छोटे-छोटे बच्चों को पानी से होकर गुजरना पड़ा, वहीं अभिभावकों में भी चिंता का माहौल देखने को मिला।वहीं, जलभराव के कारण वाहन चालकों को भी खासी परेशानी उठानी पड़ी। कई जगहों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई और वाहनों की रफ्तार थम गई।स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय पर नालेसफाई नहीं होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। हर साल बारिश के दौरान यही हालात बनते हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए जाते।अब सवाल यह उठता है कि हर साल करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नालेसफाई का काम जमीन पर क्यों नजर नहीं आता? नागरिकों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने की मांग की है।

एमईटी की विशाखा भुजबल 'वूमेन पावर इम्पैक्ट क्रिएटर ऑफ द ईयर' अवार्ड से सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई एजुकेशनल ट्रस्ट की सीनियर मैनेजमेंट रिप्रेजेंटेटिव श्रीमती विशाखा भुजबल को 11वें वार्षिक 'वूमेन पावर समिट एंड अवार्ड्स 2026' में 'वूमेन पावर इम्पैक्ट क्रिएटर ऑफ द ईयर अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा लाए गए सकारात्मक और प्रभावशाली बदलावों के लिए उन्हें यह पुरस्कार 'ज्यूरी स्पेशल चॉइस कैटेगरी' के तहत दिया गया। मुंबई के बीकेसी स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान उद्यमी, डॉक्यूमेंट्री फिल्म निमार्ता और जानी-मानी टीवी हस्ती कृष्णा श्रॉफ ने उन्हें इस सम्मान से नवाजा। यह पुरस्कार पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे जाकर बदलाव का एक समग्र इकोसिस्टम तैयार करने के श्रीमती भुजबल के प्रयासों को मान्यता देता है। उनका यह दृष्टिकोण कॉरपोरेट पदों या शीर्षकों की तुलना में मानवीय कल्याण और उनके विकास को प्राथमिकता देता है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए अपने संबोधन में उन्होंने नेतृत्व को परिभाषित करते हुए कहा कि, नेतृत्व का असली मतलब ऐसे मंच या अवसर तैयार करना है जहाँ लोग वास्तव में फल-फूल सकें। सार्थक प्रगति तभी संभव है जब हम मस्तिष्क को शिक्षित करने के साथ-साथ समुदाय का उत्थान करें और अंतरात्मा का सम्मान करें।

आयोजन स्थल के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि किसी भी संस्थान की सफलता देश के सबसे कमजोर और वंचित वर्गों की समृद्धि से गहराई से जुड़ी होती है। उन्होंने कहा, ₹आज इस ऐतिहासिक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में खड़े होकर मुझे यह अहसास हो रहा है कि भारत की वास्तविक आर्थिक प्रगति केवल बाजार के ग्राफ या आंकड़ों से नहीं मापी जा सकती। इसकी असली ताकत हमारे जमीनी स्तर पर टिकी है। इसलिए, आइए हम सब मिलकर बाधाओं को तोड़ना, दूरियों को पाटना और एक ऐसे भारत का निर्माण करना जारी रखें जहाँ कोई भी पीछे न छूटे। आइए बंधनों से मुक्त हों, और खुद एक शक्ति बनें।

श्रीमती भुजबल को यह सम्मान समाज के हाशिए पर मौजूद समुदायों के लिए किए गए उनके परिवर्तनकारी कार्यों, विशेष रूप से ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भर महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मिला है। उनका दृढ़ विश्वास है कि एक महिला को सशक्त बनाना पूरे परिवार के उत्थान का सबसे प्रभावी माध्यम है।

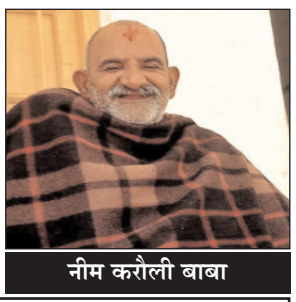

नीम करौली बाबा

सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे का संकल्प: छात्रों को 10 लाख कॉपियों का वितरण

महेश गायकवाड़ द्वारा कल्याण पूर्व में हुआ शुभारंभ

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण लोकसभा क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे द्वारा 10 लाख कॉपियों के वितरण का संकल्प लिया गया है। इसी पहल के तहत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कॉपियों का वितरण शुरू कर दिया गया है। इस अभियान के अंतर्गत कल्याण पूर्व में शिवसेना के नगरसेवक एवं संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड के हस्ते कई स्कूलों में छात्रों को कॉपियां वितरित की गईं। तिसगांव पाड़ा स्थित सम्राट अशोक विद्यालय, नारायणी इंग्लिश स्कूल और जरीमरी KDMC स्कूल के सैकड़ों विद्यार्थियों को इस अवसर पर कॉपियां दी गईं। इस मौके पर महेश गायकवाड ने कहा कि सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे का मुख्य उद्देश्य है कि क्षेत्र का कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ यह सराहनीय उपक्रम शुरू किया गया है। कार्यक्रम में उपशहर प्रमुख प्रशांत बोटे, राम बनसोडे, प्रशांत बनसोडे, पूर्व नगरसेवक देवानंद गायकवाड, शुभांगी और वैशाली ठाकूर सहित शिवसेना के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रेम, विवाह और विश्वास का टकराव: कोर्ट मैरिज को लेकर जौनपुर न्यायालय परिसर में हंगामा

शुभम कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय परिसर में मंगलवार को उस समय हलचल मच गई जब एक विवाहिता अपने कथित प्रेमी के साथ कोर्ट मैरिज की प्रक्रिया पूरी करने पहुंची। इसी दौरान उसके पति के मौके पर पहुंचने से विवाद खड़ा हो गया और कुछ समय के लिए न्यायालय परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर लाइनबाजार पुलिस मौके पर पहुंची और सभी पक्षों को पूछताछ के लिए थाने ले गई।

जानकारी के अनुसार, तेजीबाजार थाना क्षेत्र के कंधीकला गांव निवासी विवाहिता की शादी वर्ष 2025 में प्रयागराज जनपद के थरवई थाना क्षेत्र निवासी युवक के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। पति का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसकी पत्नी का एक युवक से संपर्क बना हुआ था। उसने यह भी आरोप लगाया कि पत्नी घर से निकलते समय नकदी और जेवरात भी साथ ले गई थी।

मंगलवार सुबह विवाहिता अपने कथित प्रेमी के साथ कोर्ट मैरिज की कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए दीवानी न्यायालय पहुंची थी। इसी बीच पति को इसकी जानकारी मिल गई और वह भी न्यायालय परिसर पहुंच गया। दोनों पक्षों के आमने-सामने आने पर कहासुनी शुरू हो गई, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

स्थिति को बिगड़ता देख मौजूद अधिवक्ताओं और अन्य लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत कराया। सूचना पर पहुंची लाइनबाजार पुलिस ने तत्काल मामले को नियंत्रित करते हुए महिला, उसके पति और कथित प्रेमी को पूछताछ के लिए थाने भेज दिया।

मामले में पति ने युवक को महिला का रिश्तेदार बताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि पुलिस ने इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि सभी पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

यह मामला प्रेम प्रसंग, वैवाहिक संबंधों और पारिवारिक विवादों को लेकर पूरे दिन न्यायालय परिसर और शहर में चर्चा का विषय बना रहा। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

भारत के उद्यमियों, छोटे एवं मझोले व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें आर्थिक शक्ति का आधार बनाएंगे अखिलेश यादव: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद अरशद खान, राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदुस्तान उद्योग व्यापार मंडल, राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर ने कहा है कि भारत के उद्यमी, छोटे व्यापारी, मझोले उद्योगपति और स्वरोजगार से जुड़े करोड़ों लोग देश की अर्थव्यवस्था की वास्तविक शक्ति हैं। इनके विकास के बिना भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि आजादी से पहले भारतीय उद्यमियों और व्यापारियों को अंग्रेजी शासन की भेदभावपूर्ण नीतियों, अत्यधिक करों, विदेशी वस्तुओं के वर्चस्व, पूंजी की कमी तथा औद्योगिक विकास पर प्रतिबंध जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। भारतीय व्यापारी और उद्योगपति विदेशी कंपनियों से असमान प्रतिस्पर्धा में संघर्ष कर रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूती प्रदान की।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज देश स्वतंत्र है, लेकिन छोटे और मझोले व्यापारियों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हैं। बढ़ती महंगाई, जटिल कर व्यवस्था, बैंक ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयाँ, बड़े कॉरपोरेट घरानों की असमान प्रतिस्पर्धा, ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते दबाव, निर्यात संबंधी प्रक्रियाओं की जटिलता, बिजली और परिवहन की बढ़ती लागत तथा बाजार तक सीमित पहुंच जैसी समस्याएँ लाखों उद्यमियों के विकास में बाधा बन रही हैं।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में बनने वाली पीडीए सरकार उद्यमियों, व्यापारियों और लघु-मध्यम उद्योगों के लिए नई आर्थिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त करेगी। व्यापारियों को सस्ता ऋण, सरल लाइसेंस व्यवस्था, कर प्रणाली में सुधार, आधुनिक औद्योगिक क्लस्टर, डिजिटल व्यापार सहायता, महिला एवं युवा उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन तथा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए निर्यात (Export) को बढ़ावा देना और आयात (Import) पर अनावश्यक निर्भरता कम करना आवश्यक है। कृषि, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, चमड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, एमएसएमई उत्पादों तथा स्थानीय उद्योगों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी। बंदरगाहों, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और निर्यात प्रोत्साहन केंद्रों का विस्तार किया जाएगा ताकि भारतीय उत्पाद विश्व बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना सकें।

उन्होंने कहा कि जब किसान समृद्ध होगा, व्यापारी सुरक्षित होगा, उद्योग विकसित होंगे और युवाओं को रोजगार मिलेगा, तभी भारत वास्तविक अर्थों में आर्थिक महाशक्ति बनेगा। पीडीए की सोच सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय की भी है। इसलिए छोटे दुकानदारों, कुटीर उद्योगों, स्टार्टअप्स, स्वरोजगार से जुड़े युवाओं और मध्यम उद्योगों को विकास की मुख्यधारा में लाना हमारी प्राथमिकता होगी।

अंत में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि ₹अखिलेश यादव के नेतृत्व में उद्यमियों, व्यापारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के हितों की रक्षा करते हुए भारत को रोजगार, उत्पादन, निर्यात और आर्थिक विकास के नए युग में ले जाया जाएगा।

जौनपुर में भी मंडरा रहा लखनऊ जैसा खतरा!

प्रशासनिक जांच में खुली कोचिंग संस्थानों की पोल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ में कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था, लेकिन उससे सबक लेने की जरूरत सिर्फ राजधानी तक

सीमित नहीं है। जौनपुर में जिला प्रशासन द्वारा मंगलवार को की गई छापेमारी और जांच ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। जांच में साफ संकेत दे रही है कि यदि समय रहते सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं की गईं तो जौनपुर में भी लखनऊ जैसी भयावह घटना कभी भी हो सकती है।

मंगलवार सुबह अपर जिलाधिकारी परमानंद झा और मुख्य अग्निशमन अधिकारी राज प्रकाश राय के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने शहर के आठ कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। जांच में जो हालात सामने आए, उन्होंने अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी। अधिकांश संस्थानों में अग्नि सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी मिली। कई जगह अग्निशमन यंत्र नहीं थे, कहीं बिजली के तार लटक रहे थे तो अधिकांश भवनों में आपातकालीन निकास द्वार तक नहीं मिला।

सबसे गंभीर स्थिति उस भवन में देखने को मिली जहां नीचे के दो तल पर कपड़ों की दुकानें संचालित हो रही हैं और तीसरे तल पर कोचिंग संस्थान चल रहा है। भवन की सीढ़ियां इतनी संकरी हैं कि किसी भी आपात स्थिति में दर्जनों छात्रों का एक साथ बाहर निकलना मुश्किल हो सकता है। यदि आग लग जाए या भगदड़ मच जाए तो छात्रों और शिक्षकों की जान बचाना चुनौती बन जाएगा।

निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि कई संस्थान भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक भवनों में संचालित हो रहे हैं, लेकिन सुरक्षा के नाम पर कोई ठोस इंतजाम नहीं हैं। अग्निशमन विभाग के मानकों का पालन किए बिना ही बड़ी संख्या में छात्रों को पढ़ाया जा रहा है। यही वजह है कि प्रशासन अब इन संस्थानों को संभावित खतरे की श्रेणी में मान रहा है।

लखनऊ अग्निकांड के बाद शुरू हुई इस जांच ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर छात्रों की सुरक्षा को लेकर कोचिंग संचालक कितने गंभीर हैं। शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले इन संस्थानों में यदि आग से बचाव और आपदा प्रबंधन की बुनियादी व्यवस्था तक नहीं है, तो हजारों छात्रों का भविष्य और जीवन दोनों जोखिम में हैं।

जिला प्रशासन ने खामियां मिलने वाले संस्थानों को नोटिस जारी कर जल्द से जल्द व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि मानकों की अनदेखी करने वाले संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल प्रशासन की जांच ने एक बात तो साफ कर दी है– लखनऊ जैसी त्रासदी केवल राजधानी की समस्या नहीं है, जौनपुर भी ऐसे खतरे की जद में है। जरूरत है कि हादसा होने से पहले चेत जाया जाए, क्योंकि लापरवाही की कीमत मासूम छात्रों की जिंदगी से चुकानी पड़ सकती है।

मॉर्निंग वॉक करते समय पिकअप की चपेट में आने से व्यापारी की मौत

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जिले के बभनी थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से व्यापारी गिरवर प्रसाद (47 वर्ष) की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और दुर्घटना करने वाले वाहन की तलाश शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार बभनी निवासी व्यापारी गिरवर प्रसाद पुत्र विरझू प्रसाद मंगलवार की सुबह करीब 4.45 बजे रोज की तरह टहलने निकले थे। बभनी-अंबिकापुर मार्ग पर बीआरसी के समीप रेणुकूट की ओर जा रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने घायल गिरवर प्रसाद को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। मृतक की दो बेटियां और एक बेटा है।

वर्षीय मासूम की मौत के बाद हंगामा, निजी क्लिनिक पर लापरवाही का आरोप

कन्हैया कुमार मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पराऊगंज क्षेत्र के छतरीपुर गांव में उस समय शोक और आक्रोश का माहौल फैल गया जब इलाज के दौरान 5 वर्षीय मासूम ओम विश्वकर्मा की मौत हो गई। परिजनों ने पराऊगंज बाजार स्थित एक निजी क्लिनिक पर गलत इलाज और लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि बच्चे की तबीयत खराब होने पर उसे उपचार के लिए एक निजी क्लिनिक ले जाया गया था। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान लगाए गए इंजेक्शन के बाद उसकी हालत बिगड़ गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। घटना से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मासूम के शव को बाजार में रखकर प्रदर्शन किया तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता जांच और चिकित्सकीय रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी संबंधित पक्षों से पूछताछ कर रही है और मामले की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और नाराजगी का माहौल बना हुआ है। नोट: बच्चे की मौत के कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

डेनमार्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग करेंगे डॉ.नितेश जायसवाल

अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन से मिला अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत सहायक आचार्य डॉ. नितेश जायसवाल को डेनमार्क के ओडेंस में 28 जून से 3 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले 46वें अंतरराष्ट्रीय कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया है। यह सम्मेलन कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री के क्षेत्र का विश्वस्तरीय एवं प्रतिष्ठित सम्मेलन है, जो प्रत्येक दो वर्ष पर आयोजित होता है। इसमें विभिन्न देशों के अग्रणी वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं शोधकर्ता भाग लेते हैं।

डॉ. जायसवाल इस सम्मेलन में अपने शोध विषय मल्टीफंक्शनल सिफ बेस मेटल कॉम्प्लेक्सेस पर मौखिक प्रस्तुति देंगे। उनका शोध कार्य संक्रमण धातु-आधारित उपसहसंयोजक यौगिकों के संश्लेषण, संरचनात्मक अध्ययन तथा उनके जैविक एवं औद्योगिक

अनुप्रयोगों से संबंधित है।

डॉ. जायसवाल को इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता हेतु अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, भारत सरकार की अंतरराष्ट्रीय यात्रा योजना के अंतर्गत यात्रा अनुदान स्वीकृत हुआ है। इस अनुदान के माध्यम से उन्हें अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा, वीजा शुल्क तथा सम्मेलन पंजीकरण शुल्क आदि के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपसहसंयोजक यौगिकों के जैविक एवं चिकित्सीय अनुप्रयोग, उत्प्रेरण, ऊर्जा एवं स्थिरता के लिए समन्वय यौगिक, आणविक मॉडलिंग तथा उन्नत पदार्थ विज्ञान जैसे समसामयिक विषयों पर व्याख्यान एवं प्रस्तुतियां होंगी।

डॉ. जायसवाल की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो वंदना सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। संस्थान के निदेशक प्रो मिथिलेश सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने डॉ.नितेश जायसवाल को बधाई व शुभकामनाएं दी। रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि डॉ जायसवाल की सहभागिता विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करेगी तथा वैश्विक शोध सहयोग को भी बढ़ावा देगी।

जयमाल के बाद दुल्हन ने शादी से किया इनकार, समझौते के बावजूद बारातियों से मारपीट का आरोप

डॉ.इम्तियाज अहमद

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के ग्राम लेदरही में एक शादी समारोह उस समय विवादों में घिर गया, जब जयमाल की रस्म पूरी होने के बाद दुल्हन पक्ष ने विवाह कराने से इनकार कर दिया। मामला बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच पंचायत हुई और समझौते के तहत कथित रूप से एक लाख रुपये का ऑनलाइन लेन-देन भी हुआ, लेकिन इसके बाद भी विवाद थम नहीं सका। दूल्हा पक्ष ने बारातियों के साथ मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार शाहगंज थाना क्षेत्र के ग्राम ताखा पश्चिम शिवपुर निवासी अवधेश राजभर की बारात सोमवार को खेतासराय थाना क्षेत्र के ग्राम लेदरही पहुंची थी। बारात का स्वागत होने के बाद विवाह की रस्में शुरू हुईं और जयमाल कार्यक्रम भी संपन्न हो गया। आरोप है कि मंडप में मुख्य वैवाहिक रस्मों के दौरान अचानक वधू पक्ष ने शादी कराने से इनकार कर दिया, जिससे समारोह स्थल पर तनाव का माहौल बन गया।

स्थिति को संभालने के लिए दोनों पक्षों के परिजन, रिश्तेदार और ग्रामीण आगे आए। काफी देर तक

चली पंचायत और बातचीत के बाद समझौता हुआ, जिसमें आर्थिक लेन-देन पर सहमति बनी। दूल्हा पक्ष का आरोप है कि समझौते के तहत वधू पक्ष को ऑनलाइन माध्यम से एक लाख रुपये का भुगतान भी किया गया।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, समझौते के बावजूद मंगलवार सुबह करीब सात बजे कुछ लोगों ने गाली-गलौज करते हुए दूल्हा पक्ष के लोगों को बंधक बना लिया और जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई।

मारपीट में दूल्हा अवधेश राजभर, उनके पिता वंशराज राजभर, भाई राकेश राजभर तथा मामा त्रिवेणी राजभर घायल हो गए। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के बाद परिवार में भय और दहशत का माहौल है।

दूल्हा पक्ष ने कुछ नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर निष्पक्ष जांच, मुकदमा दर्ज करने और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि दूल्हे की तहरीर के आधार पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जौनपुर में सड़क हादसों पर डीएम की सख्ती, 379 दुर्घटनाओं में 224 मौतों पर जताई चिंता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उन्होंने संबंधित विभागों को दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापक और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2026 से 21 जून 2026 तक जनपद में 379 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 224 लोगों की मौत तथा 247 लोग घायल हुए हैं। इन चिंताजनक आंकड़ों पर जिलाधिकारी ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए दुर्घटना संभावित स्थलों पर चेतावनी बोर्ड, संकेतक और रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश दिए।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए बताया गया कि हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट का उपयोग न करने, ओवरस्पीडिंग, मोबाइल फोन का प्रयोग करने तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ हजारों चालान किए गए हैं और 254 वाहनों को सीज भी किया गया है।

दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने, ओवरलोडिंग और नियम उल्लंघन पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश

जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को वर्षा ऋतु से पहले सड़कों के गड्ढों की मरम्मत कराने, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के सामने टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर बनाने तथा जेब्रा क्रॉसिंग और आवश्यक रोड मार्किंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बिना फिटनेस वाले वाहनों के संचालन पर पूर्ण रोक लगाने और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने को कहा।

नगर क्षेत्र में पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन, सड़कों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के लिए स्ट्रीट लाइट लगाने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने तबेला संचालकों को पशुओं को बांधकर रखने की चेतावनी देते हुए संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा से जुड़े सेमिनार आयोजित करने तथा विद्यार्थियों को हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के वाहन चलाते पाए जाने पर उनके अभिभावकों को बुलाकर चेतावनी दी जाए। साथ ही परिवहन विभाग के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-1800-151 के व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में पुलिस, परिवहन, लोक निर्माण, विद्युत विभाग, नगर निकायों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेटों को मेजर जनरल गौरव गौतम ने दिया सफलता का मंत्र, सीएटीसी कैंप का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 98 यूपी बटालियन एनसीसी, जौनपुर द्वारा आयोजित सीएटीसी कैंप-318 में उत्तर प्रदेश एनसीसी मुख्यालय, लखनऊ के एडीजी एवं विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित मेजर जनरल गौरव गौतम का आगमन हुआ। उनके स्वागत में एनसीसी ग्रुप मुख्यालय वाराणसी के ग्रुप कमांडर विकास पंजियार, कैंप कमांडेंट कर्नल आलोक डी. सिंह एवं अन्य एनसीसी अधिकारियों ने उनका अभिनंदन किया।

मेजर जनरल गौरव गौतम ने कैंप का निरीक्षण कर कैडेटों को दिए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी ली। उन्होंने ड्रिल, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट एवं बैटल क्राफ्ट, फायरिंग तथा व्यक्तित्व विकास संबंधी गतिविधियों का अवलोकन किया और कैडेटों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना एनसीसी की सबसे बड़ी पहचान है।

अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने कैडेटों को आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और निर्णय लेने की योग्यता विकसित करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कैडेट को किसी न किसी रचनात्मक गतिविधि से जुड़ना चाहिए, आत्मरक्षा में दक्ष होना चाहिए तथा अपनी विशेष प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखारने का निरंतर प्रयास करना चाहिए। साथ ही दूसरी भाषा सीखने, सकारात्मक सोच अपनाने और जीवन में एक आदर्श रोल मॉडल का अनुसरण करने पर भी बल दिया।

अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना एनसीसी की पहचान

उन्होंने कहा कि नेशनल कैडेट कोर युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाने के साथ-साथ उनमें राष्ट्रभक्ति, सेवा भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल का विकास करती है। उन्होंने कैडेटों से कैंप में उपलब्ध प्रत्येक प्रशिक्षण अवसर का पूरा लाभ उठाने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया।

मेजर जनरल गौरव गौतम ने कैंप की व्यवस्थाओं और प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रशिक्षण टीम के सूबेदार मेजर कृष्ण पाल सिंह सहित सभी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट कार्य के लिए विशेष रूप से बधाई दी।

विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई आवासीय एवं प्रशिक्षण सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में एनसीसी अधिकारी, एएनओ तथा बड़ी संख्या में कैडेट उपस्थित रहे। मेजर जनरल गौरव गौतम के प्रेरणादायी मार्गदर्शन से कैडेटों में उत्साह, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ।

मासूमों की मौत पर छलका दर्द, नवाब हुसैन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज जनपद जौनपुर में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

कलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की दर्दनाक घटना में मासूम बच्चों की मौत से पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। इसी क्रम में नवाब हुसैन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज, कलापुर जनपद जौनपुर में मंगलवार को शोक सभा आयोजित कर दिवंगत बच्चों कोभावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कॉलेज के प्रबंधक डॉ. आबिद खान के नेतृत्व में शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर मृत बच्चों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की।

डॉ. आबिद खान ने कहा कि मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक और पीड़ादायक है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में विद्यालय के लिपिक सुशील कुमार अस्थाना सहित शिक्षिका बबीता, सविता, ऋषु सिंह, सुषमा, रोशनी तथा शिक्षक राजाराम, सुमित अस्थाना और शिखर कुमार , अब्दुल कलाम, डॉ.इम्तियाज अहमद मीडिया प्रभारी नवाब हुसैन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज कलापुर आदि मौजूद रहे। सभी ने मौन रखकर दिवंगत बच्चों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विद्यालय परिवार ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन की आवश्यकता पर बल दिया।

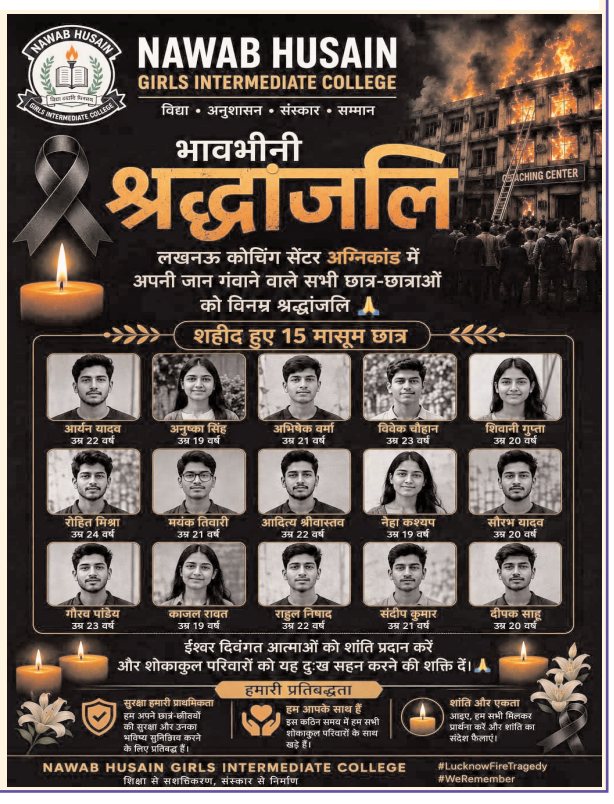

फादर्स डे पर रीता सिंह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की मुलाकात, दी शुभकामनाएं

मुंबई। फादर्स डे के अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भाजपा नेता रीता सिंह ने शिष्टाचार भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। रीता सिंह ने मुख्यमंत्री कों महाराष्ट्र भाजपा परिवार का पिता तुल्य अभिभावक बताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक पिता अपने परिवार को संरक्षण, संबल और सही दिशा प्रदान करता है, उसी प्रकार देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा संगठन को मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता, संगठन को एकजुट रखने की क्षमता तथा कार्यकताओं के प्रति उनके स्नेह और समर्पण की सराहना की। रीता सिंह ने कहा कि फडणवीस का नेतृत्व पार्टी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके मार्गदर्शन में संगठन निरंतर सशक्त हो रहा है। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

कुंवर संजय सिंह अखण्ड क्षत्रिय समाज संस्था के अध्यक्ष नियुक्त

वसई, मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखंड क्षत्रिय समाज संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पद पर कुंवर संजय सिंह की नियुक्ति के बाद उनके निज आवास पर सम्मान एवं उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति अमित सिंह, सनी सिंह, रानू सिंह एवं कुंदन सिंह ने पुष्पगुच्छ एवं सम्मान स्वरूप भेंट देकर उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उपस्थित सभी सदस्यों ने कहा कि कुंवर संजय सिंह का नेतृत्व, समर्पण, संगठन क्षमता एवं समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता समाज के लिए प्रेरणादायक है। उनके कुशल मार्गदर्शन में संस्था नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी तथा समाज हित के अनेक जनकल्याणकारी कार्यों को नई गति मिलेगी। कुंवर संजय सिंह के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में समाज और अधिक संगठित एवं सशक्त बनेगा।

सुमित सिंह हत्याकांड में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 24 घंटे के भीतर दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के चर्चित सुमित सिंह हत्याकांड में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के महज 24 घंटे के भीतर दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रति सकारात्मक संदेश गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मारपीट के बाद युवक सुमित सिंह की हत्या के मामले में बक्शा पुलिस ने नामजद आरोपी शिवम गौतम और शनी गौतम को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को नेपालनगर स्कूल के पास से दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच अभी जारी है तथा घटना से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित आरोपियों की भूमिका की भी गहन पड़ताल की जा रही है। वहीं, घटना के बाद से आक्रोशित और दुखी मृतक के परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर संतोष व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की नीति के तहत आगे भी प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

खेत में मिला अज्ञात युवक का शव, इलाके में सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना क्षेत्र के पूरेदयाल सोरहा गांव में बुधवार को खेत में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई।

बताया जा रहा है कि भैंस चरा रहे एक युवक की नजर खेत में पड़े शव पर पड़ी, जिसके बाद उसने ग्रामीणों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सुरेरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। युवक के हाथ पर रुप्रीति महाकालरु लिखा हुआ मिला है, जिसके आधार पर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो सकी है और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही युवक की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही ।

जौनपुर-आजमगढ़ हाइवे पर गैस सिलेंडर लदे ट्रक के चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

गौराबादशाहपुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के थाना बड़ागांव अंतर्गत चिउरा पुर निवासी 42 वर्षीय त्रिभुवन प्रजापति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक गैस सिलेंडर से लदे ट्रक का चालक था और जौनपुर-आजमगढ़ हाइवे से होते हुए जौनपुर से आजमगढ़ की ओर जा रहा था। इस दौरान जौनपुर-आजमगढ़ हाइवे पर स्थित बनारहिया बाग के पास अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उसने गैस सिलेंडर लदे अपने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और केबिन में ही आराम करने लगा। सुबह गश्त कर रही 100 नंबर की पुलिस टीम ने चालक को ट्रक के अंदर बेसुध अवस्था में देखा। पुलिस ने तत्काल उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के स्वजनों को घटना की जानकारी दे दी है और शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई में जुटी है।

इस संदर्भ में पूछे जाने पर थाना अध्यक्ष गंगासागर मिश्र ने बताया कि उक्त ट्रक चालक नशे का आदी था तथा संभवत उसी वजह से उसकी तबीयत बिगड़ी थी। आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मुहर्रम के जुलूस को लेकर थानाध्यक्ष ने की बैठक

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत गौराबादशाहपुर के बमैला मोहल्ले में ताज़िएदारो के साथ एक बैठक थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर गंगासागर मिश्र की अध्यक्षता में हुई। जिसमें थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर ने ताजियेदारों से आगामी दिनों होने वाले दस मुहर्रम के जुलूस को लेकर जानकारी ली। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता सैयद मेहदी हसन, एस आर मेहदी, अफसर हुसैन, मोहम्मद रजा, हसन रजा, सैयद हसन, तौकीर हसन, परवेज हसन, मोहम्मद अकबर, सुफियान, अमन आदि ताज़िएदार मौजूद रहे।

एडवोकेट उपाधि प्राप्त होने पर शिवाजीराव नलावडे साहेब का भव्य सत्कार

मुंबई। शिवाजीराव नलावडे को एडवोकेट की उपाधि प्राप्त होने के उपलक्ष्य में उनके जनसंपर्क कार्यालय में एक भव्य सत्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ईशान्य मुंबई जिला अध्यक्ष सुरेश भालेराव, मुलुंड तालुका अध्यक्ष कन्हैयालाल गुप्ता, भांडुप तालुका अध्यक्ष शशिकांत सावंत, घाटकोपर तालुका अध्यक्ष हिराचंद सूर्यवंशी, विक्रोली तालुका अध्यक्ष सोहन सचदेवन, घाटकोपर पूर्व तालुका अध्यक्ष हरिश्चंद्र जंघम, शिवाजीनगर-मानखुर्द तालुका अध्यक्ष शाहिद शेख, मुलुंड की पदाधिकारी भाग्यश्री झा, मुलुंड तालुका सोशल मीडिया प्रमुख संतोष जैसवार, संतोष शर्मा, अलीमुद्दीन युसुफ अंसारी, अक्षय पवार सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी मान्यवरों ने शिवाजीराव नलावडे को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन एवं सम्मान किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें एडवोकेट की उपाधि प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ईशान्य मुंबई जिला अध्यक्ष सुरेश भालेराव ने पूरे ईशान्य मुंबई परिवार की ओर से शिवाजीराव नलावडे को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नलावडे अपने विधिक ज्ञान एवं सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज की और अधिक प्रभावी सेवा करेंगे। समारोह का वातावरण उत्साहपूर्ण एवं आनंदमय रहा। उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने शिवाजीराव नलावडे साहेब के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर प्रगति की कामना की।

लखनऊ अग्निकांड के मासूमों को मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल मनेछा में श्रद्धांजलि, दो मिनट का मौन रख जताया शोक

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की दर्दनाक घटना में मासूम बच्चों की हुई मौत से पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। इसी क्रम में मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल, मनेछा, खेतासराय, जनपद जौनपुर में मंगलवार को शोक सभा आयोजित कर दिवंगत बच्चों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विद्यालय के प्रबंधक डॉ. आबिद खान के नेतृत्व में आयोजित शोक सभा में शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन रखकर मृत बच्चों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

डॉ. आबिद खान ने कहा कि मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक अ त्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज को झकझोर देती हैं और सभी शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा मानकों के प्रति गंभीरता बरतना आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य इंतेखाब अहमद, सैय्यद तारिक, मो. राशिद, मेराज अहमद, शबा परवीन, सोनम यादव, आयुषी यादव, अनीता गुप्ता, अक्सा, खुशबू, खुशहाली सिद्दीकी, जोया जावेद, पूजा यादव, निधि कौशल, अचल पाण्डेय तथा मीडिया प्रभारी डॉ. इम्तियाज अहमद सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में सभी ने मौन रखकर दिवंगत बच्चों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल, इंदौर में चिंटू चौकसे को हटाने से मचा बवाल

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर शहर कांग्रेस में सोमवार को बड़ा फेरबदल हुआ। दो पदों पर काबिज चिंटू चौकसे अब नेता प्रतिपक्ष नहीं होंगे, उनकी जगह पहली बार की पार्षद सोनिला मिमरोट नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष रहेंगी। चिंटू चौकसे को हटाकर सोनिला को नेता प्रतिपक्ष बनाने पर बवाल मच गया है। उनकी नियुक्ति को लेकर पार्टी में विरोध होने लगा है। कांग्रेस के कई वरिष्ठ पार्षद नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में थे पर हालांकि दूसरे दावेदारों ने विरोध जता दिया है। चिंटू चौकसे शहर अध्यक्ष होने के साथ नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष भी थे। नियुक्ति के समय ही चिंटू ने बड़े नेताओं के सामने दोनों पदों पर रहना तय किया था। हालांकि लंबे समय से शहर के नेताओं समेत बड़े नेता चिंटू से एक पद लेने की मांग कर रहे थे। एक व्यक्ति-दो पद का विरोध कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी भी चिंटू चौकसे से एक पद लेने के मूड में थे। कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी सार्वजनिक तौर पर चिंटू को एक पद छोड़ने का कह चुके थे। बड़े नेताओं के हस्तक्षेप के बाद अब चिंटू शहर अध्यक्ष ही रहेंगे। उन्हें नेता प्रतिपक्ष के पद से हटा दिया गया है।

खेतासराय पुलिस की बड़ी सफलता, बस–ट्रेन में चोरी करने वाली तीन महिला चोर गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत खेतासराय पुलिस ने बसों, ट्रेनों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक शातिर महिला गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के जेवरात और नकदी भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 22 जून को कस्बा खेतासराय निवासी सुरेश बिंद के सामान की चोरी के मामले में थाना खेतासराय पर मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन खेतासराय के पास घेराबंदी कर तीन महिला आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार महिलाओं की पहचान नेहा पत्नी सूरज निवासी शांतिनगर बस अड्डा, जिला बक्सर (बिहार), सोहाना देवी पत्नी राजू उर्फ अक्षय निवासी बिहिया, जिला भोजपुर (बिहार) तथा शोभा पुत्री रमेश निवासी मोहयीभाई कॉलोनी, थाना बिहिया, जिला भोजपुर (बिहार) के रूप में हुई है।

तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से पीली धातु की छह चूड़ी के टुकड़े, एक जोड़ी झुमका, एक जोड़ी टप, एक अंगूठी तथा चोरी के दो हजार रुपये नकद बरामद किए। पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह बसों, ट्रेनों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था।

पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए तीनों आरोपितों को न्यायालय भेज दिया। इस सफलता में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अनिल कुमार पाठक, हेड कांस्टेबल अंबिका यादव, कांस्टेबल बृकेश यादव तथा महिला आरक्षी वंदना यादव, सोनी और रितू की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय चोरी के गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

भूत-प्रेत के शक में मनबढ़ों का कहर, वृद्ध को पीटकर किया घायल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के अखईपुर गांव में भूत-प्रेत की आशंका को लेकर हुए विवाद में कुछ मनबढ़ों ने एक वृद्ध की पिटाई कर उसे घायल कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची महिला के साथ भी मारपीट किए जाने तथा मंगलसूत्र छीनने का आरोप लगाया गया है।

पीड़ित धर्मप्रकाश पुत्र राजकुमार मौर्य ने मंगलवार को कोतवाली में नामजद तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनके पट्टीदार लालजी उर्फ ललई पुत्र खरभान, सुशील एवं दीपक पुत्र लालजी ने उनके पिता पर लोहे की रॉड, ईंट और पत्थरों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब उनकी मां बचाव के लिए पहुंचीं तो आरोपितों ने उनके साथ मारपीट की और गले से मंगलसूत्र छीन लिया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित ऑटो पलटा, युवक गंभीर रूप से घायल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के विजयीपुर गांव के पास मंगलवार को सवारियों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, केराकत नगर के गोलवार्ड निवासी विवेक कुमार (पुत्र उदई कमलापुरी) चंदवक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान विजयीपुर गांव के पास ऑटो चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और ऑटो सड़क किनारे खाई में जा पलटा।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने राहत कार्य करते हुए घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। हादसे के बाद परिवार में चिंता का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी

मानक विहीन कोचिंग व डिजिटल लाइब्रेरी केंद्रों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, चार केंद्र सीज,शेष डिजिटल लाइब्रेरी और कोचिंग सेंटर पर कार्रवाई रहेगा जारी : एसडीएम

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हाल ही में लखनऊ में कोचिंग सेंटर में हुई दुर्घटना के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में मंगलवार को उपजिलाधिकारी (एसडीएम) सुनील कुमार भारती के नेतृत्व में केराकत नगर क्षेत्र के विभिन्न कोचिंग एवं डिजिटल लाइब्रेरी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान नगर के शेखज्यादा मोहल्ले में संचालित रामेश्वर डिजिटल लाइब्रेरी, यूनिक डिजिटल लाइब्रेरी, अल्फा डिजिटल लाइब्रेरी तथा सिहौली चौराहे के समीप स्थित पूजा कोचिंग सेंटर में कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। संचालक निरीक्षण टीम को केंद्रों के पंजीकरण संबंधी आवश्यक अभिलेख एवं अन्य जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके अलावा सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं पाया गया।

एसडीएम ने बताया कि कई केंद्रों में आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) की व्यवस्था नहीं थी तथा केवल एक ही प्रवेश एवं निकास द्वार पाया गया। वहीं अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) भी या तो उपलब्ध नहीं थे अथवा उनकी वैधता अवधि समाप्त हो चुकी थी। ऐसी स्थिति में किसी भी आपदा या दुर्घटना की दशा में छात्रों की सुरक्षा गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है।

अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने चारों केंद्रों को तत्काल प्रभाव से सीज करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि नगर में संचालित अन्य डिजिटल लाइब्रेरी एवं कोचिंग संस्थान भी निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करें तथा सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध रखें। मानक पूरे न मिलने पर उनके विरुद्ध भी है कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान तहसीलदार, अपराध निरीक्षक द्वारिका नाथ यादव, हेड कांस्टेबल रंजीत कुमार यादव, महिला कांस्टेबल सहित अन्य राजस्व एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट की निशुल्क सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न, महिलाओं को किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित 30 दिवसीय निशुल्क सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह टीडी कॉलेज दक्षिणी गेट स्थित टीप-टॉप ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण केंद्र पर उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं और बालिकाओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारंभ कोतवाली की पहली महिला कोतवाल अनीता सिंह एवं साइबर सेल की महिला थाना प्रभारी नीलम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। ट्रस्ट की अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि अनीता सिंह ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करना एक पुनीत कार्य है। उन्होंने कहा कि अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में सराहनीय पहल है। उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। साथ ही मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की।

कार्यशाला के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रियंका मौर्या को बेस्ट मेकअप, तनुप्रिया सिंह को बेस्ट हेयर कट, वंदना सोनकर को हेयर डू और साहिबा अफसर को बेस्ट स्किन (एडवांस) श्रेणी में विजेता घोषित किया गया। मुख्य अतिथि अनीता सिंह, विशिष्ट अतिथि नीलम सिंह, प्रशिक्षक सीमा गुप्ता एवं क्षमा सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाजपा के स्पेशल सर्टिफिकेट कैंप में उमड़ा जनसैलाब

300 से अधिक नागरिकों को मिला लाभ

वसई। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश केरल सेल के कन्वीनर उत्तम कुमार द्वारा आयोजित स्पेशल सर्टिफिकेट कैंप का सफलतापूर्वक समापन हुआ। सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस कैंप में वसई क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कैंप का उद्घाटन नवघर-मानिकपुर की तलाठी प्रणिता पाटिल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर समर्थ मराठा के सचिव प्रकाश जाधव, बौद्ध विहार के सलाहकार सुभाष वाघ, अमरदास नायर, सु कुमार, ऋषि वोरानी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सामाजिक, शैक्षणिक एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लेकर इस पहल की सराहना की।

कैंप के दौरान नागरिकों को आय प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, वरिष्ठ नागरिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड तथा आभा कार्ड जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महा ई-सेवा केंद्र के कौस्तुभ जोशी और प्रवीण डांगे की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी टीम ने नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों और प्रक्रियाओं संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया।

कैंप का लाभ उठाने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे। आयोजन के दौरान वसई के 300 से अधिक लोगों ने विभिन्न प्रमाणपत्रों और सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त किया, जिससे उनके कई लंबित सरकारी कार्य एक ही स्थान पर सुगमता से संपन्न हो सके।

कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी सुरेश प्रजापति, महेंद्र सिंह कोली, मैथ्यू कोलासो, बाला सावंत सहित अनेक कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा केरल सेल, महाराष्ट्र क्षेत्र के समन्वयक उत्तम कुमार ने कहा, ह्लभारतीय जनता पार्टी लगातार प्रयास कर रही है कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक सरलता से पहुंचे। ऐसे शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत देना है। वसई के नागरिकों से मिला उत्साहजनक सहयोग हमारे लिए प्रेरणादायक है और भविष्य में भी जनहित से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। इस विशेष सर्टिफिकेट कैंप के माध्यम से अनेक नागरिकों को अपने लंबित दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कराने में सहायता मिली, जिसके लिए उन्होंने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

काशी विद्यापीठ में हॉस्टल में अवैध रूप से रह रहे छात्रों पर कार्रवाई, नरेंद्र देव छात्रावास के 35 कमरे खाली कराए

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ प्रशासन ने छात्रावासों में बिना वैध आवंटन के रह रहे छात्रों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए नरेंद्र देव छात्रावास के 35 कमरों को खाली करा लिया। विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने और छात्रावासों को अनधिकृत कब्जों से मुक्त कराने के उद्देश्य से यह कार्रवाई भारी पुलिस बल की मौजूदगी में की गई।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ छात्र बिना अधिकृत आवंटन के छात्रावासों में रह रहे हैं, जिससे वास्तविक पात्र छात्रों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने में कठिनाई हो रही थी। इसी के मद्देनजर विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभियान चलाकर ऐसे कमरों की पहचान की और उन्हें खाली कराने की कार्रवाई शुरू की।

अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, विश्वविद्यालय कर्मचारियों और पुलिस बल की संयुक्त टीम ने नरेंद्र देव छात्रावास का निरीक्षण किया। जांच में बड़ी संख्या में ऐसे कमरे मिले जिन पर अनधिकृत रूप से कब्जा किया गया था। कार्रवाई के तहत करीब 35 कमरों को खाली कराकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने दोबारा अपने कब्जे में ले लिया। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के मुख्य अनुशासन अधिकारी (चीफ प्रॉक्टर) केके सिंह ने बताया कि छात्रावास केवल उन छात्रों के लिए हैं जिन्हें विश्वविद्यालय की निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवंटन प्राप्त हुआ है। बिना आवंटन के रहने वाले छात्रों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनधिकृत कब्जे को बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं, कार्रवाई को लेकर छात्र नेताओं ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। छात्र नेता हर्षित तिवारी ने कहा कि छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि पात्र छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कार्रवाई के दौरान परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अन्य छात्रावासों में भी जांच अभियान चलाकर अनधिकृत कब्जों को हटाने की प्रक्रिया आगे जारी रहेगी।

यूपीईएस ने भारत में नैक्स्ट जनरेशन की एआई क्षमता के विकास के लिए सेल्सफोर्स के साथ पार्टनरशिप की

मुंबई। एक मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी और फ्यूचर-फोकस्ड एजुकेशन के लिए भारत के प्रमुख संस्थानों में से एक, यूपीईएस ने आज दुनिया के नं. 1 ए.आई सीआरएम, सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी की। यह यूनिवर्सिटी डेटा साइंस में स्पेशियलाइजेशन के साथ उद्योग का पहला बी.टेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (सीएसई) प्रोग्राम पेश करने वाली है। यह प्रोग्राम सेल्सफोर्स के साथ मिलकर विकसित किया गया है और स्टूडेंट्स को इन-डिमांड ए.आई, डेटा और एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी के कौशल प्रदान करता है। इस सहयोग के अंतर्गत यूपीईएस में सेल्सफोर्स एकेडेमिया सेंटर ऑफ एक्सिलेंस (सीओई) की स्थापना की जाएगी। यह सेंटर ए.आई स्किलिंग, डेवलपर सर्टिफिकेशन, एप्लाइड रिसर्च, फैकल्टी डेवलपमेंट, इनोवेशन प्रोजेक्ट और ट्रेलहेड पर औद्योगिक सहयोग के केंद्र के रूप में काम करेगा। ट्रेलहेड सेल्सफोर्स की ओर से एक डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म है। यहाँ सीओई में विशिष्ट लैब होंगी और यहाँ ट्रेन-द-ट्रेनर मॉडल पर काम किया जाएगा। इससे तेजी से विकसित होते हुए ए.आई और एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी के परिवेश में फैकल्टी का विकास संभव होगा। इस प्रोग्राम के पहले साल स्टूडेंट्स को एंटरप्राइज-ग्रेड प्लेटफॉर्म्स का हैंड्सऑन अनुभव मिलेगा, जिससे वर्कप्लेस के लिए उनकी तैयारी मजबूत होगी।

यह पारंपरिक इंडस्ट्री पार्टनरशिप से आगे बढ़कर ट्रिपल-सी - को-क्रिएट, को-डिलीवर और को-सर्टिफाई मॉडल पर आधारित है। इसका पाठ्यक्रम यूपीईएस और सेल्सफोर्स ने मिलकर बनाया है, जो एंटरप्राइज सीआरएम टेक्नोलॉजी, एआई एप्लीकेशन, डेटा प्लेटफॉर्म, एनालिटिक्स और इंटेलिजेंट ऑटोमेशन के साथ एकेडेमिक अनुभव प्रदान करता है। साथ ही, रियल-वर्ल्ड एंटरप्राइज प्लेटफॉर्म्स, जैसे एजेंटफोर्स सेल्स, एजेंटफोर्स सर्विस, डेटा 360, टेबलो और एजेंटफोर्स इस प्रोग्राम के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। यह प्रोग्राम करने के बाद स्टूडेंट्स को न केवल बी.टेक की डिग्री मिलेगी, बल्कि उन्हें सेल्सफोर्स द्वारा सर्टिफिकेशन भी दिए जाएंगे, जो पूरे उद्योग में मान्यताप्राप्त हैं। इस प्रकार, उनके पास ए.आई-पॉवर्ड अर्थव्यवस्था में डिजिटल परिवर्तन लाने के लिए जरूरी प्रैक्टिकल स्किल्स होंगी।

प्रोफेसर (डॉ.) अभिषेक सिन्हा, प्रो वाईस-चांसलर (स्टूडेंट सक्सेस), यूपीईएस ने कहा, यूपीईएस में हमारा विश्वास है कि शिक्षा का विकास उसी तेजी से होना चाहिए, जिस तेजी से हमारे ग्रेजुएट्स उद्योगों में प्रवेश करते हैं। सेल्सफोर्स के साथ हमारा सहयोग ऐसे प्रोफेशनल्स का निर्माण करने की साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है, जो ए.आई-संचालित अर्थव्यवस्था में न केवल सैद्धांतिक रूप से नेतृत्व करने के लिए तैयार हों, बल्कि उनके पास सर्टिफिकेट और प्रायोगिक क्षमता भी हो।

फोर्स मोटर्स ने भारत में पेश किया 200,000वां मर्सिडीज-बेंज इंजन

मुंबई। फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने आज पुणे के चाकण स्थित अपने अत्याधुनिक इंजन निर्माण संयंत्र से मर्सिडीज-बेंज के 2,00,000वें (2 लाखवें) इंजन के रोल-आउट की घोषणा की है, जो मर्सिडीज-बेंज के साथ इसकी विनिर्माण साझेदारी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इंजन निर्माण में दोनों कंपनियों का साथ वर्ष 1997 से है, जो अब एक व्यापक साझेदारी में बदल चुका है; इसमें भारत में उत्पादित होने वाली मर्सिडीज-बेंज की सभी कारों और एसयूवी के लिए इंजनों और एक्सल का विनिर्माण शामिल है। यह 2 लाखवें इंजन का कीर्तिमान आपसी विश्वास, तकनीकी उत्कृष्टता, साझा मूल्यों और भारत में विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। फोर्स मोटर्स द्वारा निर्मित यह विशेष 6-सिलेंडर एम256 इंजन मर्सिडीज-बेंज की जीएलएस 450 एसयूवी में लगाया गया है। इस अवसर पर फोर्स मोटर्स के प्रबंध निदेशक प्रसन फिरोदिया और मर्सिडीज-बेंज के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में इस उपलब्धि का जश्न मनाया गया। समारोह में मर्सिडीज-बेंज ग्रुप एजी के बोर्ड सदस्य डॉ. योर्ग बुर्जर (चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट), मैथियास गाइसेन (सेल्स एंड कंस्टमर एक्सपीरियंस) और माइकल शीबे (प्रोडक्शन, क्वॉलिटी एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट) सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इनके अलावा मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री संतोष अय्यर, मर्सिडीज-बेंज इंडिया के कार्यकारी निदेशक और संचालन प्रमुख श्री व्यंकटेश कुलकर्णी तथा फोर्स मोटर्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक-संचालन श्री प्रशांत ईनामदार भी मौजूद थे। साथ ही दोनों कंपनियों के कई अन्य प्रतिष्ठित अधिकारी और अतिथि भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। मर्सिडीज-बेंज के साथ फोर्स मोटर्स की दीर्घकालिक साझेदारी और इस उपलब्धि पर श्री प्रसन फिरोदिया, मैनेजिंग डायरेक्टर, फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने कहा, ह्लजैसे-जैसे मर्सिडीज-बेंज भारत में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है, फोर्स मोटर्स श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ विनिर्माण, परिचालन उत्कृष्टता और भारत में विश्व स्तरीय ऑटोमोटिव घटकों के उत्पादन में योगदान देकर इसके विकास का समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। 2,00,000वां इंजन केवल एक उत्पादन उपलब्धि नहीं है; यह विश्वास, सटीकता और साझा उद्देश्य पर बनी आधी सदी लंबी साझेदारी की एक जीवंत कहानी है। फोर्स मोटर्स का चाकण संयंत्र मर्सिडीज-बेंज के कड़े वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए ही विशेष रूप से बनाया गया था, और यहाँ से रोल-आउट होने वाला हर इंजन इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और विनिर्माण सटीकता के प्रति हमारे अटूट समर्पण को दशार्ता है। उस प्रतिबद्धता को 2,00,000 बार पूरा करना हमारे लिए अत्यंत गर्व का क्षण है।

एएसबीएम ने सफलतापूर्वक आयोजित किया माय 1 डे एट बी-स्कूल ऑफ डिजिटल ऐज

मुंबई। आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स (एजीआई) के भाग, आदित्य स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एएसबीएम) ने एक दिवसीय एक्सपेरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम माय 1 डे एट बी-स्कूल ऑफ डिजिटल ऐज का आयोजन किया। जिसे मैनेजमेंट की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में बिजनेस शिक्षा के बदलते परिवेश के बारे में जानकारी देने के लिए डिजाइन किया गया था।

आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में तकरीबन 100 लोगों ने हिस्सा लिया। इनमें एमबीए के महत्वाकांक्षी छात्र, उद्योग जगत के पेशेवर, पूर्व छात्र, फैकल्टी सदस्य और एकेडमिक लीडर शामिल थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फ्यूचर-रैडी मैनेजमेंट प्रोफेशनल तैयार करने में एआई, इंडस्ट्री एक्सपोजर और प्रैक्टिकल लर्निंग की भूमिका को दर्शाना था।

एक एआई-पावर्ड आईपीएल ऑक्शन सिमुलेशन, कंपीट लाईक अ फ्रैंचाइजी प्रोग्राम का मुख्य आकर्षण केन्द्र था, जिसने एमबीए करने के इच्छुक 36 छात्रों को ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जहां उन्हें एआई टूल्स, स्टैज्टेजिक थिंकिंग और मैनेजरियल निर्णय लेने के कौशल को आजमाने के लिए बेहतरीन अनुभव मिला।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. बालकृष्ण परब, मैनेजमेंट एजुकेशन एक्सपर्ट और डीन, मैनेजमेंट, एएसबीएम तथा डायरेक्टर एआईएमटीएआर द्वारा सम्बोधन के साथ हुई। उन्होंने बिजनेस के बदलते माहौल में काम करने के लिए सामाजिक रूप से जिम्मेदार, उद्योग जगत के लिए तैयार और टेक्नोलॉजी में सक्षम मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स को तैयार करने के महत्व पर जोर दिया। एआई और मार्केटिंग टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञ सिद्धेश्वर राजाध्यक्ष ने एक विशेष सत्र का संचालन किया, जिसका विषय था एआई की दुनिया में मैनेजमेंट करियर। उन्होंने विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव और भावी मैनेजमेंट करियर पर इसके प्रभाव पर विचार रखे। सत्र के दौरान एआई-आधारित मैनेजमेंट रोल्स, डेटा-उन्मुख निर्णय निर्धारण, मनुष्य और एआई के बीच आपसी सहयोग तथा भावी बिजनेस लीडर्स के लिए जरूरी कौशल पर चर्चा की गई।

डेल्हिवरी ने फ्रंटलाईन वर्कर्स के लिए भारत का सबसे विस्तृत वैलफेयर प्रोग्राम अभयम शुरू किया

मुंबई। डेल्हिवरी ने देश में अपनी लगभग 1 लाख फ्रंटलाईन वर्कफोर्स के सदस्यों के लिए डेल्हिवरी का सबसे विस्तृत बेनेफिट प्रोग्राम अभयम शुरू किया है। यह प्रोग्राम इन-फेसिलिटी एसोसिएट्स और लास्ट-माईल राईडर्स के लिए है। यह प्रोग्राम कंपनी की 15वीं वर्षगाँठ के अवसर पर 22 जून, 2026 को शुरू किया गया था। अभयम के अंतर्गत 15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, फैमिली हैल्थ कवर, बच्चों की स्कॉलरशिप और करियर के अवसर प्रदान किए जाएंगे। प्रोटेक्शनः 15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, हॉस्पिटल में भर्ती होने पर आय की सुरक्षा और दवाईयों पर छूट। सिक्योरिटीः पत्नी और 2 बच्चों के लिए हैल्थ कवर, व्यक्तिगत लोन, स्कूल के लिए स्कॉलरशिप और पत्नी एवं बेटियों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण की आसान उपलब्धता।

डेवलपमेंटः एनपीएस स्कीम की उपलब्धता, उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहयोग, और वित्तीय मजबूती के लिए कमाए गए वेतन की आसान उपलब्धता। डेल्हिवरी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ एचआर ऑफिसर, सूरज सहारन ने कहा, ह्यह्यहमारे फ्रंटलाईन वर्कर्स ने पिछले 15 सालों में 5 बिलियन से अधिक शिपमेंट पहुँचाए हैं। हमने उन्हें अपनी इस सेवा के लिए पुरस्कृत करने के लिए अभयम की शुरूआत की है। हमारा मानना है कि यह भारत में सबसे अच्छा प्रोग्राम है। यह हमारे कर्मचारियों को सबसे बेहतर सेवा प्रदान करने में समर्थ बनाएगा। साथ ही, इसकी मदद से उनके स्वास्थ्य एवं परिवार को भी सुरक्षा मिलेगी। फ्रंटलाईन वर्कर भारत की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसके बाद भी वो सबसे अधिक वित्तीय जोखिमों के अधीन रहते हैं क्योंकि एक बार हॉस्पिटल में भर्ती होने पर उनकी महीनों की कमाई चली जाती है। अभयम विस्तृत सपोर्ट फ्रेमवर्क की मदद से इस जोखिम को दूर कर रहा है। यह उन्हें दुर्घटना का कवरेज, स्वास्थ्य बीमा और आय की सुरक्षा प्रदान कर रहा है, ताकि सड़क पर कोई भी अप्रत्याशित दुर्घटना होने पर वो वित्तीय संकट में न आएं। यह प्रोग्राम सुरक्षा प्रदान करने के अलावा परिवारों के लिए बेनेफिट्स भी पेश कर रहा है। परिवार की सुरक्षा फ्रंटलाईन वर्कर की सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए फ्रंटलाईन वर्कर्स के बच्चों के लिए स्कॉलरशिप, पत्नी के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और उन्हें औपचारिक क्रेडिट उपलब्ध होने से अनौपचारिक कर्जदाताओं पर उनकी निर्भरता कम होगी।

पालघर सांसद डॉ. हेमंत सावरा के प्रयासों को मिली सफलता

पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा के लगातार प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। रेल मंत्रालय ने ट्रेन संख्या 19003/19004 खानदेश एक्सप्रेस को बोईसर और दहानू रोड रेलवे स्टेशनों पर आधिकारिक ठहराव देने की मंजूरी प्रदान कर दी है। साथ ही, इस ट्रेन का संचालन सप्ताह में 3 दिनों से बढ़ाकर 6 दिनों तक कर दिया गया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से सांसद डॉ. सावरा को इस निर्णय की जानकारी दी। सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने 7 मार्च 2026 और 16 अप्रैल 2026 को रेल मंत्री को पत्र लिखकर बोईसर और दहानू रोड स्टेशनों पर खानदेश एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की थी। रेल प्रशासन ने जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 19003/19004 दादरझ्भुसावल खानदेश एक्सप्रेस को बोईसर और दहानू रोड पर नियमित ठहराव की स्वीकृति प्रदान की है। ट्रेन की आवृत्ति भी बढ़ाई गई है, जिससे अब यह सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी। इस फैसले से बोईसर, दहानू और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। स्थानीय नागरिकों को मुंबई, पालघर और खानदेश क्षेत्र के बीच यात्रा के लिए अधिक सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध होगी, जिससे समय की बचत और बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।

काशी में अवैध कोचिंग संस्थानों पर चला 'सील का शिकंजा'

वाराणसी। लखनऊ के भीषण अग्निकांड के बाद पूरे प्रदेश में भवन सुरक्षा और अग्निशमन मानकों को लेकर शुरू हुए अभियान के बीच वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित आठ कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया। कार्रवाई उन संस्थानों के खिलाफ की गई जहां बिना स्वीकृत मानचित्र, भवन मानकों के उल्लंघन अथवा बेसमेंट और बहुमंजिला भवनों के अवैध उपयोग की शिकायतें मिली थीं।

प्राधिकरण की इस कार्रवाई को राजधानी की घटना के बाद काशी में अब तक का सबसे बड़ा प्रवर्तन अभियान माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा, भवनों की संरचनात्मक मजबूती और शहरी नियोजन के नियमों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अभियान की शुरूआत जोन-1 से हुई, जहां वीडीए के उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा स्वयं शिवपुर और सिकरौल क्षेत्र के औचक निरीक्षण पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान एलेन कोचिंग सेंटर में मानचित्र स्वीकृति और भवन मानकों से संबंधित गंभीर अनियमितताएं मिलने पर तत्काल परिसर को सील कर दिया गया। संचालकों को आवश्यक अभिलेख और स्वीकृतियां प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

जोन-2 में सारनाथ क्षेत्र के पहाड़िया स्थित एक बड़े परिसर में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत कोचिंग संस्थान संचालित किया जा रहा था। लगभग एक हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल वाले भवन के तीसरे तल को मौके पर ही सील कर दिया गया। इसी क्षेत्र के पंचकोशी रोड स्थित नई बस्ती में बेसमेंट में लाइब्रेरी और भूतल पर कोचिंग संस्थान संचालित होने की पुष्टि होने पर पूरे परिसर पर भी सील लगा दी गई। जोन-3 में सिगरा स्थित

बी+जी+4 बहुमंजिला भवन में भवन मानकों के उल्लंघन पाए जाने पर प्रवर्तन टीम ने कार्रवाई करते हुए परिसर को सील कर दिया। सबसे व्यापक कार्रवाई जोन-4 में देखने को मिली, जहां वीडीए सचिव डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा के नेतृत्व में संकट मोचन मार्ग स्थित एलेन कोचिंग की एक शाखा, साकेत नगर स्थित दूसरी शाखा, दुगार्कुंड क्षेत्र की एल-1 कोचिंग, आकाश इंस्टीट्यूट और महेंद्रा कोचिंग सहित कई संस्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई। सभी संबंधित परिसरों को नियमानुसार सील कर दिया गया।

लखनऊ की घटना के बाद प्रदेशभर में यह चिंता बढ़ी है कि बड़ी संख्या में कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, हॉस्टल और अन्य संस्थान बहुमंजिला भवनों में संचालित हो रहे हैं, जहां विद्यार्थियों की संख्या तो अधिक है लेकिन भवनों की सुरक्षा व्यवस्था और स्वीकृत मानकों के पालन को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में वाराणसी विकास प्राधिकरण की यह कार्रवाई केवल भवन नियमों के उल्लंघन तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे संभावित हादसों को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। वीडीए उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा ने स्पष्ट कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिना स्वीकृत मानचित्र, भवन उपविधियों के उल्लंघन अथवा अवैध निर्माण के आधार पर संचालित किसी भी शिक्षण संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सभी भवन स्वामियों और संस्थान संचालकों से तत्काल नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। अन्यथा भविष्य में भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। शहर में हुई इस कार्रवाई के बाद अन्य कोचिंग संस्थानों, निजी शिक्षण केंद्रों और भवन स्वामियों में भी हलचल तेज हो गई है। कई संचालकों ने अपने अभिलेखों और भवन स्वीकृतियों की समीक्षा शुरू कर दी है। लखनऊ की त्रासदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सैकड़ों विद्यार्थियों और नागरिकों की जान को जोखिम में डालने जैसा है। ऐसे में वाराणसी में शुरू हुआ यह अभियान आने वाले दिनों में और व्यापक होने के संकेत दे रहा है।

जिलेभर में कोचिंग और लाइब्रेरी संस्थानों की जांच, डीएम सख्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शहर के प्रमुख कोचिंग एवं लाइब्रेरी संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भारत लाइब्रेरी, दृष्टि आईएएस इंस्टीट्यूट और सक्सेस पाठशाला में फायर सेफ्टी, विद्युत सुरक्षा, प्रवेश-निकास व्यवस्था तथा आपातकालीन सुरक्षा उपायों की गहन जांच की गई। निरीक्षण में दृष्टि आईएएस इंस्टीट्यूट में फायर अलार्म, इलेक्ट्रिकल वायरिंग और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं में कई गंभीर कमियां पाई गईं। साथ ही संस्थान का प्रवेश मार्ग बेसमेंट से होकर तीसरी मंजिल तक होने के कारण आपातकालीन स्थिति में छात्रों की सुरक्षित निकासी को लेकर चिंता व्यक्त की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित संस्थान को नोटिस जारी कर जवाब तलब करने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने स्पष्ट किया कि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित किए बिना सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। संस्थान से यह स्पष्टीकरण मांगा जाएगा कि वह किन मानकों के आधार पर संचालित हो रहा है और सुरक्षा नियमों का पालन किस प्रकार सुनिश्चित किया गया है। जांच रिपोर्ट और जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सक्सेस पाठशाला में फायर सेफ्टी की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। यहां दो निकास द्वार, आपातकालीन मार्ग और फायर फाइटिंग सिस्टम पूरी तरह कार्यशील मिले। भारत लाइब्रेरी में भी कुछ कमियां सामने आने पर संचालकों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने सभी कोचिंग, लाइब्रेरी और छात्रावास संचालकों को अग्नि सुरक्षा एवं विद्युत सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने, फायर एक्सटिंग्विशरों का नियमित नवीनीकरण कराने तथा पर्याप्त संख्या में सीओ-2 आधारित अग्निशामक यंत्र उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों और संबंधित अधिकारियों को जिलेभर में संचालित कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी और छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। बिना अनुमति अथवा सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के साथ संचालित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

काउंटर से दो लाख रुपये पार करने वाला शातिर गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति ।जनपद में चेतगंज पुलिस ने दुकान के काउंटर से दो लाख रुपये चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है। आरोपी की पहचान चंदौली जनपद के मुगलसराय थाना क्षेत्र स्थित चौरहट निवासी 19 वर्षीय हिमांशु गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 20 जून को एक व्यापारी ने दुकान के काउंटर से दो लाख रुपये चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। फुटेज में आरोपी की पहचान होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से 6,350 रुपये नकद और चोरी की रकम से खरीदे गए करीब 60 हजार रुपये मूल्य के एप्पल मोबाइल की रसीद बरामद की है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार शुक्ला, चौकी प्रभारी पानदरीबा विकास कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक सूरज कुमार शाह व कांस्टेबल प्रदीप कुमार शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वीवीपैट, वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वीवीपैट मशीनों का सुरक्षित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए तथा वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में स्थापित सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश प्रदान किए।